हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, शुक्रवार, 20 दिसंबर 2024 | अंक 68 / वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

शिवशंकर आयुर्वेदिक

क्या आप स्वास्थ से परेशान ही ?

* सर्दी खासी सिनेमाईटिस * ॲलर्जिक राईनिटिस * क्रॉनिक ब्रॉन्काईटिस
* इसिनोफिलीया * ब्रॉनकियल ब्रॉनकाईटस * कॉरपुलमानेल (कार्डियल)
पर Dr. B.A.M.S., M.D. अनुभवी चिकित्सक द्वारा चिकित्सा उपचार किया जाता है।

तथा दमा, अस्थमा, एलर्जी / सभी प्रकार के वात रोग/ लखवा/ स्त्रिरोग/ पुरूष के शुक्राणू दोष/ निसंतान/ किडनी स्टोन/ डायबिटीज से परेशान/ वेट लॉस/ वेट गेन/पिंपल्स/ फ्रेअस्नेस/ स्किन प्रॉब्लेम/ पाईल्स/ एवं अन्य बिमारीयों पर भी उपचार किया जाता है।

नागपूर का भव्य शोरूम महाजन मार्केट के पास, टेम्पल बाजार, सिताबर्डी, नागपूर.

फोन : 9112079000 / 8605245080

आयुर्वेदिक दवाईया तथा जडीबुटीयों का विशाल भंडार

संसद में बीजेपी और कांग्रेस के बीच संग्राम

> आंबेडकर मुद्दे पर छिड़ा विवाद 'धक्का-मुक्की' तक पहुंचा
> बीजेपी के दो सांसद गंभीर जख्मी
> मुंबई-इंदौर में कांग्रेस के खिलाफ आक्रामक हुई बीजेपी

नई दिल्ली।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के 'आंबेडकर वाले' बयान पर संसद में छिड़ा घमासान गुरुवार को और बढ़ गया. सत्ता पक्ष और विपक्ष ने एक-दूसरे के ख़िलाफ़ बयानबाज़ी की और सांसदों के बीच कथित धक्का-मुक्की के आरोप भी लगाए गए. इसके बाद संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बीजेपी के दो सांसदों प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत को 'गंभीर रूप से घायल' कर दिया है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत से बात की है. बीजेपी सांसद बांसुरी स्वराज ने बताया कि उनकी पार्टी के सांसद हिमांग जोशी ने राहुल गांधी के ख़िलाफ़ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है.

जबकि राहुल गांधी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अमेरिका में भारतीय कारोबारी गौतम अदानी पर हुए केस के बारे में चर्चा से ध्यान भटकाने के लिए बीजेपी ये सब कर रही है.

इससे पहले राहुल गांधी ने रिजिजू के आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि संसद में घुसने के समय प्रवेश द्वार के सामने बीजेपी के सांसद उनका रास्ता रोकने की कोशिश कर रहे थे. राहुल गांधी

के मुताबिक़ बीजेपी सांसदों ने उनके और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ धक्का-मुक्की की. इसी वजह से वहां हंगामा हुआ.

किरेन रिजिजू ने इस हंगामे पर कहा, आख़िर राहुल गांधी को किस कानून के तहत दूसरे सांसदों पर शारीरिक हमला करने का हक़ मिला है. क्या आपने दूसरे सांसदों को पीटने के लिए कराटे, कुंग-फ़ू सीखी है. उन्होंने कहा, संसद कोई कुश्ती का अखाड़ा नहीं है. ये शारीरिक ताक़त दिखाने का मैदान नहीं है. राहुल गांधी को माफ़ी मांगनी चाहिए.

वहीं ओडिशा के बालासोर से बीजेपी सांसद प्रताप सारंगी ने इस घटना का ब्योरा देते हुए कहा, मैं सीढ़ियों पर था. उस समय राहुल गांधी ने एक सांसद को धक्का मारा और वो मुझ पर गिर पड़े और मुझे चोट लग गई.

संसद परिसर का धक्कामुक्की कांड पहुंचा थाने

संसद परिसर में भाजपा और कांग्रेस सांसदों में धक्कामुकी हो गई। जिसमें भाजपा के भाजपा सासंद प्रताप सारंग व मुकेश राजपूत घायल हो गए। इस मामले को लेकर राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज और अनुराग ठाकुर संसद मार्ग थाने पहुंचे गए हैं। भाजपा ने राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है ।

इंदौर में कांग्रेस कार्यालय का घेराव

इंदौर में मध्यप्रदेश के इंदौर में विपक्ष नेता राहुल गांधी द्वारा संविधान का अपमान करने एवं संसद के बाहर भाजपा के सांसदों के साथ अभद्र व्यहार करने के विरोध में भाजपा युवा मोर्चा इंदौर महानगर के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यालय का घेराव किया गया। जिसमें समस्त भाजपा युवा मोर्चा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता ने राहुल गांधी द्वार संविधान का अपमान करने पर लोकसभा अध्यक्ष से राहुल गांधी की सदस्यता निरस्त करने की मांग की साथ ही कहा कि, संविधान का अपमान भारतीय जनता पार्टी किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नही करेगी।

मुंबई में कांग्रेस दफ्तर में तोड़फोड़

मुंबई में गुरुवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस दफ्तर में तोड़फोड़ की। दरवाजे और खिड़की के शीशे तोड़ डाले। कांग्रेस दफ्तर के बाहर लगे सोनिया, राहुल, प्रियंका और मल्लिकार्जुन खड़गे के पोस्टर पर काला रंग फेंका। पुलिस ने हालात काबू में करने के लिए पहले उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन उन्हें हिंसक होता देख लाठीचार्ज किया। इस दौरान कुछ कार्यकर्ता घायल हुए। तोड़फोड़ के दौरान भाजपा कार्यकर्ता वंदे मातरम का नारा लगा रहे थे। उनका कहना था कि अंबेडकर का अपमान अमित शाह ने नहीं, बल्कि कांग्रेस ने किया है।

खबरें! एक नजर में!!

फिर शुरू होगी कैलाश मानसरोवर यात्रा

नई दिल्ली। भारत-चीन के बीच फिर से कैलाश मानसरोवर यात्रा शुरू करने को लेकर सहमति बनी है। दोनों देशों के बीच पांच साल के अंतराल के बाद विशेष प्रतिनिधियों की 23वें दौर की बैठक बीजिंग में 6 मुद्दों पर सहमति बनी। ईस्टर्न लद्दाख में चार साल लंबे गतिरोध के बाद संबंधों की बहाली के मद्देनजर सभी मुद्दों पर बात करने के लिए बॉर्डर मुद्दे पर बने इस मैकेनिज्म की आखिरी बैठक दिसंबर 2019 के बाद पहली बार हुई है।

महाकाल मंदिर के पुरोहित समेत 6 निलंबित

उज्जैन। उज्जैन के महाकाल मंदिर में श्रद्धालुओं से अवैध वसूली करने पर गुरुवार शाम को मंदिर के एक पुरोहित समेत 6 लोग निलंबित किये गए हैं । गुरुवार सुबह उज्जैन कलेक्टर नीरज सिंह ने इन्हें रंगे हाथ पकड़ा था। आरोपियों ने यूपी और गुजरात के 10 श्रद्धालुओं से बाबा महाकाल के दर्शन के बदले पैसे मांगे थे और उन्हें मजबूर चुकाने पड़े।

राम शिंदे बने महाराष्ट्र विधान परिषद के सभापति

नागपुर। करीब ढाई वर्ष से विधान परिषद सभापति का पद खाली था, लेकिन अब राम शिंदे निर्विरोध सभापति चुन लिए गए हैं। विपक्ष की ओर से सभापति पद के लिए कोई नामांकन दाखिल नहीं किया गया। राज्यपाल ने सभापति के चुनाव के लिए संदेश दिया था। इसी के बाद विधान परिषद की उपसभापति नीलम गोर्हे ने मंगलवार को चुनाव कार्यक्रम घोषित किया था। इसको लेकर सबसे पहले महायुति की ओर से राम शिंदे के नाम नामांकन दाखिल किया गया।

फील्ड फायरिंग रेंज में ब्लास्ट, 2 जवानों की मौत

बीकानेर। राजस्थान के बीकानेर में महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में बुधवार को ट्रेनिंग एक्सर्साइज के दौरान टैंक में गोला-बारूद लोड करते समय हादसा होने से सेना के 2 जवानों की मौत हो गई। इस घटना में एक जवान के घायल होने की खबर भी सामने आ रही है। घायल जवान को इलाज के लिए हेलीकॉप्टर से चंडीगढ़ ले जाया गया है, जबकि हादसे में जान गंवाने वाले जवानों के पार्थिव शरीर को सूरतगढ़ सैन्य स्टेशन ले जाया गया है।

सरकार ने ब्लॉक किये 18 ओटीटी प्लेटफॉर्म्स

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश में 18 ओटीटी प्लेटफॉर्म को ब्लॉक कर दिया। इन सभी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अश्लील कंटेंट प्रकाशित करने का आरोप है। सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री एल मुरुगन ने बुधवार को लोकसभा में यह जानकारी दी। मुरुगन ने कहा कि 2021 के आईटी नियम के तहत इन 18 ओटीटी प्लेटफॉर्म के ऊपर कार्रवाई की गई है।

और बन रहीं 10 वंदे भारत स्लीपर ट्रेन

नई दिल्ली। देश में लंबी और मध्यम दूरी की यात्रा के लिए 10 वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों का उत्पादन चल रहा है। पहला प्रोटोटाइप तैयार किया जा चुका है। इसका परीक्षण किया जा रहा है. इसके अलावा 200 वंदे भारत स्लीपर रेक के निर्माण का कार्य भी प्रौद्योगिकी भागीदारों को सौंपा गया है। बुधवार को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में कहा कि ट्रेन चलाने की समय-सीमा परीक्षणों के सफल समापन पर निर्भर है।

अंतरिक्ष में 'फंसीं' सुनीता की फिर टली वापसी

वाशिंग्टन। भारतीय मूल की अमेरिकी एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स जून के पहले हफ्ते से ही अंतरिक्ष में फंसी हुई हैं। वह इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन

में कमांडर की भी भूमिका निभा रही हैं। पहले उन्हें हफ्तेभर के अंदर ही वापस धरती पर आना था, लेकिन स्पेसक्राफ्ट में तकनीकी दिक्कत आने की वजह से फरवरी, 2025 में उनकी वापसी तय हो सकी। अब एक बार फिर से सुनीता विलियम्स को झटका लगा है। दरअसल, उनकी वापसी एक बार फिर से टल गई है। अब सुनीता और उनके अंतरिक्ष में साथी विल्मोर बुच मार्च के अंत या फिर अप्रैल 2025 से पहले वापस धरती पर नहीं आ सकेंगे।

राज्य वित्तीय दिवालियेपन के कगार पर

> विपक्ष के नेता दानवे ने कहा, झूठी घोषणा के बजाय राज्य को वित्तीय स्थिरता दें

नागपुर।

विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे ने सरकार द्वारा प्रस्तुत पूरक मांगों की आलोचना करते हुए कहा है कि जब राज्य वित्तीय दिवालियापन के कगार पर है तो सरकार को झूठी घोषणाएं करने के बजाय राज्य में वित्तीय स्थिरता लाने की जरूरत है।

सरकार की ओर से विभिन्न योजनाओं के लिए अलग-अलग तरीके से आंकड़े उपलब्ध कराये जाते हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की जाती। आम लोगों के लिए पेयजल, परियोजना, सड़क का कोई ठोस समाधान नहीं है। दानवे ने सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि राज्य आर्थिक रूप से कर्जदार है, लेकिन सरकार पर कोई सोझर सूतक नहीं है।

विपक्ष के नेता दानवे ने बताया कि साल 2024-25 के लिए सरकार ने 6

लाख 69 हजार 490 करोड़ 68 लाख रुपये का बजट पेश किया है। 2024-25 के लिए प्रस्तुत अनुपूरक मांगों में 35 हजार 788 करोड़ 40 लाख रुपये जमा किये गये हैं। 9 जुलाई, 2024 को वर्ष 2024-25 के लिए प्रस्तुत अनुपूरक मांगे 94 हजार 88 करोड़ रुपये की हैं। जुलाई दिसंबर की अनुपूरक मांगों की राशि 1 लाख 30 हजार 677 कोष 46 लाख पहुंच गई है। गोडबोले समिति ने सिफारिश की कि मूल बजट के 5 से 10 प्रतिशत से अधिक की अतिरिक्त मांग नहीं की जानी चाहिए। हालांकि, वर्ष 2024-25 के मूल बजट में जुलाई दिसंबर की अनुपूरक मांगों का अनुपात 19.52% तक पहुंच गया है।

विपक्षी नेता अंबादास दानवे ने आरोप लगाया है कि महागठबंधन सरकार ने रुपये की अतिरिक्त मांग प्रस्तुत की है। राज्य को हर हफ्ते 3 हजार करोड़ उधार लेना पड़ता है. सरकार अब तक 54 हजार करोड़ रुपये का कर्ज ले चुकी हैमांगों इस लोन के ब्याज के लिए सरकार को हर साल 6 हजार करोड़ रुपये चुकाने पड़ते हैं। जबकि राज्य के जनसंपर्क विभाग ने एसएमएस विज्ञापन के लिए 23 करोड़ रुपये, डिजिटल विज्ञापन के लिए 90 करोड़ रुपये, विज्ञापन के लिए 200 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

लाडकी बहीण प्रचार के लिए 200 करोड़ हुए खर्च

लाडकी बहीण प्रचार के लिए 200 करोड़ रुपये और 5 दिनों के डिजिटल अभियान के लिए 100 करोड़ रुपये से अधिक रकम खर्च किये जाने के आंकड़े दानवे ने सभागृहात में प्रस्तुत किये। दानवे ने सरकार पर सामाजिक, बहुजन कल्याण आदि विभागों के फंड को उन विभागों पर खर्च न कर अन्यत्र खर्च करने का भी आरोप लगाया है। पश्चिम वाहिनी नदी का पानी मराठवाड़ा की ओर मोड़ने की घोषणा की गई थी, लेकिन यह योजना अभी कागज पर भी नहीं है। दानवे ने दावा किया कि मराठवाड़ा में वाटर ग्रिड और विदर्भ में बैकलॉग आने की घोषणाएं कोरी हैं।

एएसआई की टीम ने मुरादाबाद में डाला डेरा

> आज संभल में मंदिर की कार्बन डेटिंग पर होगा गहरा रिसर्च

संभल।

उत्तर प्रदेश के संभल जिले में बीते कई महीनों से जामा मस्जिद विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा। संभल में एएसआई की टीम ने कूप की खुदाई जारी रखी। बीते दिनों खुदाई के दौरान कई देवी-देवताओं के छोटी-छोटी टूटी मूर्तियां मोली थी। ऐसा दावा किया जा रहा था कि पुराने संभल शहर में स्थित एक विशाल टीले पर भगवान विष्णु के प्रसिद्ध मंदिर के प्रमाण हैं। यहीं पर पहले हरिहर मंदिर था।

ऐसे में जिलाधिकारी ने करीब 46 साल बाद खोले गए मंदिर और कूप की कार्बन डेटिंग कराने के बात कही थी। उन्होंने बताया था कि इसके लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को पत्र लिखा गया है। पत्रकारों से बातचीत के राजेंद्र पेंसिया ने बताया कि

यह कार्तिक महादेव का मंदिर है और यहां एक कूप (कुआं) मिला है, जो अमृत कूप है। मंदिर में पूजा भी शुरू हो गई है। यहां पर अब भी अतिक्रमण है। कल कुछ अतिक्रमण हटाया गया और बचा हुआ अतिक्रमण भी हम हटाएंगे। हमने मंदिर और कूप की कार्बन डेटिंग के लिए एएसआई को पत्र लिखा है।

इन सब के बीच अब एएसआई की टीम आज मंदिर की कार्बन डेटिंग के लिए कल संभल पहुंच सकती है। ऐसे में हम आपको बताते चलें कि कार्बन डेटिंग या रेडियोकार्बन डेटिंग, किसी कार्बनिक पदार्थ की उम्र का पता लगाने की एक वैज्ञानिक तकनीक है। सरल भाषा में बताएं, तो इसके जरिए किसी कार्बनिक पदार्थ की उम्र का पता लगाया जाता है। यह तकनीक, कार्बन-14 समस्थानिक के क्षय पर आधारित है।

60,000 साल पुराने कार्बनिक पदार्थों का लगेगा पता

ध्यान देने वाली बात यह है कि कार्बन डेटिंग की मदद से, करीब 60,000 साल पुराने कार्बनिक पदार्थों की उम्र का पता लगाया जा सकता है। यह तकनीक, भूवैज्ञानिकों, मानवविज्ञानी, पुरातत्वविदों, और संबंधित क्षेत्रों के शोधकर्ताओं द्वारा व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाती है। कार्बन डेटिंग की मदद से, प्राचीन स्थलों पर मिलने वाली हड्डियों या पदार्थों की उम्र का पता लगाया जाता है।

मुंबई बनेगा केंद्रशासित प्रदेश ?

> कांग्रेस विधायक ने की मांग तो बिफरे आदित्य

मुंबई।

बेलगावी और मुंबई को केंद्र शासित प्रदेश बनाने के मुद्दे पर शिवसेना यूबीटी और कांग्रेस में आपस में ही ठन गई है। दरअसल, कर्नाटक कांग्रेस के विधायक लक्ष्मण सावदी ने मुंबई को केंद्र शासित प्रदेश बनाने की बात कही थी। जिस पर उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे बिफर गए हैं। उन्होंने कांग्रेस विधायक की आलोचना करते हुए कहा कि ऐसे किसी प्रयास को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कर्नाटक कांग्रेस विधायक लक्ष्मण सावदी के बयान पर नाराजगी जताते हुए आदित्य ठाकरे ने कहा कि उनकी पार्टी मुंबई को महाराष्ट्र से अलग करने के किसी भी प्रयास को बर्दाश्त नहीं करेगी। इतना ही नहीं उन्होंने सहयोगी

कांग्रेस अपने कर्नाटक विधायक को फटकार लगाने को भी कहा।

मुंबई के वर्ली से विधायक ठाकरे ने कहा कि मुंबई को केंद्र शासित प्रदेश बनाने की मांग निंदनीय है। चाहे कांग्रेस हो या बीजेपी, शिवसेना (यूबीटी) मुंबई को तोड़ने की किसी भी कोशिश को कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। दरअसल, कर्नाटक कांग्रेस विधायक लक्ष्मण सावदी ने हाल ही में बयान दिया था कि अगर महाराष्ट्र में नेता बेलगावी को केंद्र शासित प्रदेश बनाने की मांग कर रहे हैं, तो मुंबई को भी केंद्र शासित प्रदेश बनाया जाना चाहिए।

किसान नेता डल्लेवाल की हालत नाजुक

नई दिल्ली। फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) गारंटी कानून सहित अन्य मांगों को लेकर खनौरी बोर्डर पर आमरण अनशन कर रहे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की हालत नाजुक हो गयी है। गुरुवार को अनशन के 24वें दिन अचानक आई उल्टियों के बाद वह बेहोश हो गए। 10 मिनट तक वो बेहोश रहे। फिलहाल डल्लेवाल होश में हैं लेकिन उनकी स्तिथि बहुत चिंताजनक बनी हुई है। डॉक्टरों का कहना है कि डल्लेवाल की सेहत नाजुक बनी हुई है। लगातार 24 दिनों से जारी अनशन के कारण उनको संक्रमण का भी अधिक खतरा हो गया है। वहीं, उन्हें संक्रमण से बचाने के लिए शीशे का कैबिन बनाया गया है और उनसे मिलने आने वाले लोगों को मास्क पहनकर ही जाने दिया जा रहा है।

सपा सांसद पर बिजली चोरी की एफआईआर

> अखिलेश बोले- मुस्लिमों के घर छापेमारी की जा रही

संभल।

उत्तर प्रदेश की संभल लोकसभा सीट से सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। बिजली विभाग की टीम ने गुरुवारको संभल हिंसा में नामजद आरोपी समाजवादी पार्टी के सांसद के घर पर छापा मारा है। फोर्स के साथ पहुंची टीम ने एक घंटे तक जांच की। इसके बाद बिजली विभाग के एसडीओ संतोष त्रिपाठी ने जियाउर्रहमान बर्क के खिलाफ एंटी पावर थेफ्ट पुलिस स्टेशन में बिजली चोरी की एफआईआर दर्ज करवाई। जांच में सांसद के घर 16 किलोवाट बिजली की खपत मिली है। दो-दो किलोवाट के दो कनेक्शन हैं। सांसद के पिता ममलुकुर्रहमान के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज कराई गई है।

बिजली मीटर में गड़बड़ी होने पर

17 दिसंबर को बिजली विभाग की टीम सांसद के पहुंची। उनके घर का बिजली का बिल जीरो आने पर मीटर बदला गया। पुराने मीटर की जांच की तो बिजली चोरी का खुलासा हुआ। गुरुवार (19 दिसंबर) की बिजली विभाग की टीम फोर्स के साथ सांसद के घर पहुंची।

जांच में 16 किलोवाट बिजली की खपत मिली। दोनों पुराने मीटरों में छेड़छाड़ करके बिजली चोरी की बात सामने आई। इसके बाद बिजली चोरी की धारा-135 के तहत सांसद जियाउर्रहमान बर्क के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

इस मामले को लेकर उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने संभल में सांसद जियाउर्रहमान बर्क के घर पर हुई छापेमारी को लेकर सत्तारूढ़ भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने सीधे तौर पर सीएम योगीपर निशाना साधते हुए अधिकारियों के माध्यम से खेल-खेलने का आरोप लगाया है और कहा कि मुस्लिमों के घर छापेमारी की जा रही।

अखिलेश ने गुरुवार को कहा, 'संभल में मुख्यमंत्री ने अपने अधिकारियों के माध्यम से खेल को खेला है और अधिकारी बचने के लिए लगातार इस तरह का खेल-खेल रहे हैं। वे जानबूझकर वहां के लोगों को अपमानित कर रहे हैं।

खासकर मुस्लिम भाइयों के घरों पर छापेमारी की जा रही है। वे महिलाओं को अपमानित कर रहे हैं। और आज सुनने में आया है कि वे सांसद के घर भी पहुंच गये।

सांसद के पिता ने दी धमकी

बिजली विभाग अवर अभियंता मंगल और अजय शर्मा ने बताया कि जांच के दौरान हमें सांसद के पिता ममलूकुर्रहमान बर्क ने धमकी दी। एएसपी श्रीशचंद्र का कहना है कि दीप सराय में बिजली विभाग ने पुलिस फोर्स की मांग की थी। इसके बाद विभाग को पुलिस बल उपलब्ध कराया गया।

2034 तक 94 नए युद्धपोत जोड़ने का लक्ष्य

> नौसेना ने 2047 तक समुद्री सुरक्षा के लिए तैयार किया रोडमैप

नई दिल्ली।

इंडियन नेवी ने 2047 तक अपनी समुद्री क्षमताओं को और बढ़ाने के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना तैयार की है. यह योजना भारत की स्वतंत्रता के 100 साल पूरे होने और विश्व की महाशक्ति के रूप में उभरने की महत्वाकांक्षा के साथ जुड़ी हुई है। भारतीय नौसेना अपने बेड़े को मजबूत करने के इरादे के साथ दुश्मनों को चौंकाने का मन बना चुकी है। स्वदेशीकरण और आत्मनिर्भरता पर जोर देते हुए, नेवी अगले दशक में लगभग 94 नए युद्धपोतों को शामिल करने की योजना बना रही है।

यह कदम भारत के समुद्री हितों की सुरक्षा और गहरे समुद्री क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। भारतीय नौसेना लगातार एडवांस युद्धपोतों, मिसाइलों और

पनडुब्बियों के निर्माण कार्य का काम कर रही है। इसी के साथ नेवी कई तरह के ट्रायल्स, ड्रिल और परीक्षणों के जरिए अपनी तैयारियों को भी परखती रहती है। इसी के मद्देनजर नेवी के विस्तार की योजनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। अभी नेवी के करीब 63 युद्धपोत निर्माणाधीन हैं।

खास बात यह है कि इनमें से 61 युद्धपोत भारत में मेक इन इंडिया पहल के तहत बनाए जा रहे हैं, जो देश के जहाज निर्माण उद्योग को बढ़ावा दे रहे हैं। शेष दो युद्धपोत रूस में बनाए जा रहे हैं, जो आवश्यक संसाधनों के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोण को दर्शाते हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अपनी ऑपरेशनल, सर्विलांस और समुद्री तैयारियों को और मजबूत करने के लिए नेवी अतिरिक्त 31 युद्धपोतों के लिए स्वीकृति की आवश्यकता (एओएन) प्राप्त करने की योजना बना रही है।

भारतीय नौसेना को मजबूत करना खास उद्देश्य

नौसेना की यह रणनीति उभरते खतरों का सामना करने, समुद्री क्षेत्र की जागरूकता को मजबूत करने और महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में भारत की नौसैनिक उपस्थिति को दमदार करने के लिए की जा रही है। इसी लिहाज से भारतीय नौसेना को मजबूत करने और भारत की स्वदेशी ताकत को बढ़ावा देने के लिए मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड, गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स, कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड जैसे भारतीय शिपयार्ड और निजी क्षेत्र की कंपनियां प्रमुख भूमिका निभा रही हैं।

जम्मू और कश्मीर में भारत के 5 दुश्मन ढेर

> भारतीय सेना का आतंकवादियों के खिलाफ बड़ा ऐक्शन

श्रीनगर।

जम्मू और कश्मीर में सुरक्षाबलों ने गुरुवार सुबह बड़े ऑपरेशन को अंजाम दिया है। खबर है कि कुलगाम जिले के कादर इलाक में हुए इस एनकाउंटर में 5 आतंकवादियों को मार गिराया है। साथ ही 2 सैनिकों भी मुठभेड़ में घायल हो गए हैं। भारतीय सेना के चिनार कॉर्प्स का कहना है कि आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी थी।

गुरुवार को आतंकियों की मौजूदगी से जुड़े इनपुट के आधार पर कुलगाम के कादर में भारतीय सेना और जम्मू कश्मीर पुलिस ने साझा ऑपरेशन शुरू किया था। सतर्क सैनिकों ने संदिग्ध गतिविधियां देखी थीं और जब चुनौती दी गई तो आतंकवादियों की तरफ से तेज गोलीबारी शुरू कर दी गई। हमारे सैनिकों ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की। ऑपरेशन जारी है।' एक अधिकारी ने बताया है कि मुठभेड़ वाले स्थल पर आतंकवादियों के 5 शव मिले हैं। उन्होंने कहा, 'ऑपरेशन अब भी जारी है और एक बार आतंकवादियों के

शव मिलने के बाद मरने की बात का ऐलान कर दिया जाएगा।' बीते कुछ समय में कुलगाम जिले में आतंकियों के खिलाफ यह सबसे बड़ी कार्रवाई में से एक माना जा रहा है। इससे पहले 3 दिसंबर को सुरक्षाबलों ने श्रीनगर जिले में एक ऑपरेशन के दौरान जुनैद अहमद भट्ट नाम के आतंकवादी को मार गिराया था। तब पुलिस ने जानकारी दी थी कि भट्ट गगनगीर, गांदरबल और कई स्थानों पर आम नागरिकों पर हुए हमलों में शामिल था।

एनकाउंटर में 10 लाख का इनामी फारूक नाल ढेर

मिली जानकारी के मुताबिक, मारे गए 5 आतंकियों में 10 लाख का इनामी हिजबुल कमांडर फारूक नाली भी शामिल था। एक बार फिर से आतंकी समूह फिर से एक्टिव हो गए हैं। बीते रोज एलओसी के पास अमरोही करनाह में सेना के साथ संयुक्त अभियान में 3.8 किलोग्राम हेरोइन, 4 पिस्तौल और 6 मैगजीन बरामद की गई थी। इस दौरान 7 नशा व अवैध हथियार तस्करों गिरफ्तार कर मामला दर्ज किया गया था।

फेड ने लगातार तीसरी बार ब्याज दरें घटाई

नई दिल्ली.

अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने बुधवार को अपनी प्रमुख ब्याज दरों में एक चौथाई अंक (25 बीपीएस या 0.25 फीसदी) की कटौती का ऐलान कर दिया। यह 2024 में फेड द्वारा की गई ब्याज दर में तीसरी कटौती थी। ताजा कटौती से फेड की टारगेट रेट 4.25 फीसदी और 4.5 फीसदी की रेंज तक घट गयी है। हालांकि अमेरिकी शेयर बाजार के निवेशकों ने इस कटौती पर नेगेटिव रिस्पॉन्स दिया। दरअसल कल अमेरिकी शेयर बाजार में कमजोरी आई। डॉलर दो साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया और ट्रेजरी यील्ड में भी उछाल आया। यूएस फेड का ब्याज दरें घटाने का भारतीय शेयर बाजार पर क्या असर पड़ेगा, जानते हैं। यूएस में ब्याज दरों में कटौती आम तौर पर शेयर बाजारों (भारतीय शेयर बाजार समेत) के लिए पॉजिटिव रहती है। मगर गुरुवार की सुबह भारतीय शेयर बाजारों में भारी बिकवाली देखी गई, शुरुआती कारोबार में बेंचमार्क सूचकांकों में भारी गिरावट देखी गई।

ईवी मार्केट में पकड़ जमा सकता है भारत

नितिन गडकरी ने बताई तरकीब

नई दिल्ली.

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने हाल ही में ग्रीन भारत समिट में भाग लिया था। इस दौरान उन्होंने कुछ ऐसा कहा है जिसके बाद उम्मीद लगाई जा रही है कि जल्द ही इलेक्ट्रिक कारों की कीमतों में बढ़ोत्तरी हो सकती है। दरअसल नितिन गडकरी ने कहा है कि उनके निजी मत के अनुसार अब इलेक्ट्रिक कारों को सब्सिडी की जरूरत नहीं है। गडकरी द्वारा दिए गए इस बयान के बाद उम्मीद लगाई रही है कि इलेक्ट्रिक कारों की कीमतों में बढ़ोत्तरी देखने को मिल सकती है। फिलहाल इलेक्ट्रिक कार खरीदने पर सब्सिडी ऑफर की जा रही है ताकि इलेक्ट्रिक कारों के खरीदारों की संख्या में इजाफा हो सके।महंगाई से त्रस्त लोगों को हाल-फिलहाल राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। आने वाले दिनों में स्थिति और बदतर हो सकती है। हिंदुस्तान यूनिलीवर, गोदरेज कंज्यूमर, डाबर, टाटा कंज्यूमर, पारले प्रोडक्ट्स, विप्रो कंज्यूमर, मैरिको, नेस्ले और अडानी विल्मर जैसी एफएमसीजी कंपनियों ने कमोडिटी की बढ़ती लागत और बढ़े हुए सीमा शुल्क की भरपाई के लिए अपने सामान की कीमतों में बढ़ोतरी करनी शुरू कर दी है। कंपनियों और एफएमसीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स के अधिकारियों के मुताबिक चाय और खाद्य तेल से लेकर साबुन और स्किन क्रीम 5-20 फीसदी तक महंगी होने की आशंका है। यह पिछले 12 महीनों में कीमतों में सबसे बड़ी बढ़ोतरी होगी।

ईवी मार्केट में मैच्योरिटी दिखेगी

नितिन गडकरी ने अपने बयान के बारे में सफाई देते हुए कहा है कि इलेक्ट्रिक कारों पर पहले से ही 5 फीसदी की दर से जीएसटी लगाया जा रहा है जो बहुत ही कम है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यदि इतने कम जीएसटी पर भी कोई सब्सिडी की मांग कर रहा है तो यह काफी ज्यादा हो जाता है। नितिन गडकरी ने यह भी बताया कि पिछले कुछ साल के दौरान भारतीय इलेक्ट्रिक कार मार्केट में काफी मैच्योरिटी देखने को मिली है।

पेटीएम के लिए चुनौती बन सकता है मोबिक्विक

नई दिल्ली.

भारतीय फिनटेक इंडस्ट्री में फोनपे, गुगल पे और पेटीएम का जलवा है. जुलाई 2024 में वॉल्यूम के हिसाब से फोनपे का मार्केट शेयर 48.3 फीसदी और ट्रांजैक्शन वैल्यू के हिसाब से 49.8 फीसदी था. गूगल पे वॉल्यूम के हिसाब से 37.3 फीसदी और वैल्यू के हिसाब से 36 फीसदी की बाजार हिस्सेदारी के साथ दूसरे स्थान पर बना हुआ है, जबकि वॉल्यूम के हिसाब से पेटीएम की बाजार हिस्सेदारी अगस्त में एक महीने पहले 7.8 फीसदी से घटकर 7.2 फीसदी रह गई. वैल्यू के हिसाब से, जुलाई में पेटीएम की बाजार हिस्सेदारी 5.9 फीसदी से घटकर 5.5 फीसदी रह गई. अब यहां ध्यान देने वाली बात ये है कि बाजार हिस्सेदारी के मामले में अभी हाल ही में लिस्ट हुई एक दूसरी यूपीआई कंपनी मोबिक्विक का टॉप-5 में भी नाम नहीं है. ऐसे में सवाल ये खड़ा हो रहा है कि इतना अधिक मार्केट शेयर लेने के बाद पेटीएम के शेयर में अभी भी लिस्टिंग के बाद से 35 फीसदी का नुकसान है. तो क्या ऐसे में मोबिक्विक का शेयर बाजार में टिक पाएगा. गुरुग्राम स्थित वन मोबिक्विक सिस्टम्स ने 18 दिसंबर 2024 में अपना आईपीओ लॉन्च किया गया, जिसमें प्रति शेयर प्राइस बैंड 265-279 निर्धारित किया गया था. इसके शेयर 440 रुपए पर लिस्ट हुए. यह आईपीओ के इश्यू प्राइस के मुकाबले करीब 57.71 फीसदी अधिक है. यह आईपीओ पूरी तरह से नए शेयरों का था, जिसका उद्देश्य फाइनेंस, पेमेंट सर्विस में वृद्धि, टेक्नोलॉजी को आसान बनाने और पेमेंट डिवाइस को और बेहतर करने के लिए धन जुटाना था.

मोबिक्विक ने वित्त वर्ष 2023-24 में अपना पहला पूर्ण- वर्ष का प्रॉफिट दर्ज किया, जो कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है. यहां अगर आप दोनों शेयर को एक छोटे निवेशक की नजर से देखते हैं तो मोबिक्विक का जो प्राइस रेंज है वह काफी कम है. कंपनी प्रॉफिट में भी रह चुकी है. कुछ दिन पहले एक प्रेस कांफ्रेंस में मोबिक्विक के सीईओ बिपिन प्रीत सिंह ने कहा था कि कंपनी को हमने पहले भी प्रॉफिट ईयर बनाया है. आगे भी हम ये करने जा रहे हैं. हमारी सर्विसेज ग्राहकों के लिए बेस्ट है तो हम इस टार्गेट को जल्द हासिल कर लेंगे. एक बात यहां और ध्यान देने वाली है कि पेटीएम की वॉलेट सर्विस बंद हो चुकी है, जबकि मोबिक्विक अभी ये सर्विस दे रहा है. जिसे वह जिप नाम से चला रहा है. यह एक तरह का इंस्टेंट लोन सर्विस है. इसके यूजर्स तेजी से बढ़ रहे हैं, जो पेटीएम के लिए चुनौती बन सकती है. क्योंकि अब पेटीएम ऐसी कोई सुविधा नहीं प्रोवाइड कर रहा है, जब से आरबीआई ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर बैन लगाया था.

मोबिक्विक और पेटीएम कौन बेस्ट?

मोबिक्विक और पेटीएम दोनों ही उपभोक्ताओं और व्यापारियों के लिए पेमेंट और फाइनेंशियल सर्विसेज प्रदान करते हैं. हालांकि,पेटीएम का बाजार में बड़ा हिस्सा है और यह अधिक डायवर्सिफाई सर्विसेज प्रदान करता है, जबकि मोबिक्विक ने हाल ही में प्रॉफिटिबिलिटी हासिल की है, जो निवेशकों के लिए आकर्षक हो सकता है. दोनों कंपनिया अपने-अपने क्षेत्रों में इनोवेशन और विस्तार के माध्यम से प्रतिस्पर्धा कर रही हैं, जिससे उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाए मिल रही हैं.

एच-1बी वीजा नियमों में भारतीय पेशेवरों को मिल सकता है लाभ

नई दिल्ली. अमेरिका में राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने जाते-जाते एच-1बी वीजा के नियमों में ढील देने का फैसला किया है। सरकार के इस फैसले से अमेरिकी कंपनियों के लिए विशेष कौशल वाले विदेशी श्रमिकों को नियुक्त करना आसान हो जाएगा। बाइडन प्रशासन के इस निर्णय के बाद एफ-1 छात्र वीजा से एच-1बी वीजा में आसानी से बदलाव हो सकेगा। बाइडन सरकार के इस कदम से हजारों भारतीय तकनीकी पेशेवरों को लाभ मिलने की संभावना है। अमेरिका में इन दिनों सत्ता हस्तांकरण की प्रक्रिया चल रही है। नवनिर्वाचित डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को दोबारा राष्ट्रपति पद संभालने वाले हैं। एच-1बी वीजा सबसे अधिक मांग वाला एक गैर-आप्रवासी वीजा है, जो अमेरिकी कंपनियों को विशेष व्यवसायों में विदेशी श्रमिकों को नियुक्त करने की अनुमति देता है, जिनमें सैद्धांतिक या तकनीकी विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। प्रौद्योगिकी कंपनियां भारत और चीन जैसे देशों से हर साल हजारों कर्मचारियों को नियुक्त करने के लिए इस वीजा पर निर्भर करती हैं। ऐसे में भारतीय आईटी पेशेवरों को बाइडन प्रशासन के इस फैसले से लाभ मिल सकता है। मंगलवार को होमलैंड सुरक्षा विभाग (डीएचएस) की ओर से घोषित इस नियम का उद्देश्य विशेष पदों और गैर-लाभकारी व सरकारी अनुसंधान संगठनों के लिए नियमों को आधुनिक बनाकर नियोक्ताओं और श्रमिकों को अधिक लचीलापन प्रदान करना है। इन संगठनों के लिए एच-1बी वीजा की सीमाओं में छूट दी गई है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि इन बदलावों से अमेरिकी नियोक्ताओं को अपनी व्यावसायिक आवश्यकताओं के अनुसार नियुक्ति करने और वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बने रहने में मदद मिलेगी। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प 20 जनवरी को शपथ ग्रहण समारोह के बाद अमेरिका के अगले राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार संभालेंगे। एफ-1 वीजाधारक छात्रों को भी मिल सकेगा लाभ, डीएचएस के अनुसार, यह नियम वैसे एफ-1 वीजाधारक छात्रों के लिए लचीलापन लाएगा, जो अपनी स्थिति को एच-1बी में बदलना चाहते हैं। इससे अमेरिकी नागरिकता व आव्रजन सेवाओं (यूएससीआईएस) को उन अधिकांश व्यक्तियों के आवेदनों पर अधिक तेजी से कार्रवाई करने में मदद मिलेगी.

ट्रांसरेल लाइटिंग लिमिटेड की इनिशियल पब्लिक 23 को होगी बंद

मुंबई.

अजन्मा होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड ("प्रमोटर सेलिंग शेयरहोल्डर") द्वारा 10,160,000 इक्विटी शेयरों का बिक्री प्रस्ताव ("ऑफर फॉर सेल") शामिल है।कंपनी इस पेशकश से हासिल कुल आय का इस्तेमाल (i) कंपनी की वृद्धिशील कार्यशील पूंजी (वर्किंग कैपिटल) की जरूरत; (ii) कंपनी के पूंजीगत व्यय (कैपिटल एक्स्पेंडिचार); और (iii) सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करेगी। इस पेशकश का मूल्य दायरा ₹410.00 से ₹432.00 प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है।

न्यूनतम 34 इक्विटी शेयर और उसके बाद 34 इक्विटी शेयर के गुणक में बोली लगाई जा सकती है। कंपनी के इक्विटी शेयरों को बीएसई लिमिटेड ("बीएसई") और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड ("एनएसई" बीएसई के साथ, "स्टॉक एक्सचेंज") स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। पेशकश के लिए नामित स्टॉक एक्सचेंज, बीएसई है। इंगा वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड, एक्सिस कैपिटल लिमिटेड, एचडीएफसी बैंक लिमिटेड और आईडीबीआई कैपिटल मार्केट्स एंड सिक्योरिटीज लिमिटेड इस पेशकश के बुक रनिंग लीड मैनेजर ("बीआरएलएम") हैं। यहां इस्तेमाल किए गए लेकिन परिभाषित नहीं किए गए सभी बड़े अक्षरों वाले शब्दों का वही अर्थ होगा जो रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस में बताया गया है। यह पेशकश सेबी आईसीडीआर विनियमों के विनियम 31 के साथ पठित एससीआरआर के नियम 19(2)(बी) के अनुसार और सेबी आईसीडीआर विनियमों के विनियम 6(1) के अनुरूप बुक बिल्डिंग प्रक्रिया के ज़रिए किया जा रही है, जिसमें पूरी पेशकश काअधिकतम 50% हिस्सा आनुपातिक आधार पर पात्र संस्थागत खरीदारों ("क्यूआईबी") ("क्यूआईबी हिस्सा") को आवंटित किया जाएगा, हालांकि कंपनी बुक रनिंग लीड मैनेजर के परामर्श से सेबी आईसीडीआर विनियमनों ("एंकर निवेशक हिस्सा") के अनुसार विवेकाधीन आधार पर क्यूआईबी हिस्से का 60% तक एंकर निवेशकों को आवंटित कर सकती है, जिसमें से एक तिहाई घरेलू म्यूचुअल फंड के लिए आरक्षित होगा, बशर्ते कि घरेलू म्यूचुअल फंड से एंकर निवेशक आवंटन मूल्य पर या इससे ऊपर वैध बोली मिले। एंकर निवेशक हिस्से में कम सब्सक्रिप्शन या गैर-आवंटन की स्थिति में, शेष इक्विटी शेयरों को क्यूआईबी हिस्से ("नेट क्यूआईबी हिस्सा") में जोड़ा जाएगा।

25 लाख तक के होमलोन पर ब्याज सब्सिडी

नई दिल्ली.

योजना- शहरी (पीएमएवाई-यू) को अपने पहले कार्यकाल में ही लॉन्च किया था लेकिन इसके दूसरे चरण को मंजूरी अगस्त 2024 में दी गई है। इस योजना में शहरी गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को सरकार मदद कर उनके घर के सपने को साकार करती है।

जानकारी के लिए बता दें कि पीएमएवाई-यू के तहत 1.18 करोड़ आवासों को स्वीकृति दी गई थी, जिनमें से 85.5 लाख से अधिक आवास पूरे कर लाभार्थियों को सौंपे जा चुके हैं और बाकी आवास निर्माणाधीन हैं। वहीं, पीएमएवाई-यू 2.0 योजना के तहत ₹2.30 लाख करोड़ की सरकारी सहायता दी जाएगी।

सरकार ने पीएफ हायर पेंशन पर दी बड़ी राहत

नई दिल्ली. एंप्लॉयीज प्रॉविडेंट फंड ऑर्गनाइजेशन ने ऊंचे वेतन पर पेंशन से जुड़े 3 लाख 10 हजार लंबित आवेदनों के बारे में वेतन और दूसरी जानकारियां अपलोड करने के लिए समय सीमा एक बार फिर बढ़ा दी है। अब एंप्लॉयर्स को ये जानकारियां अपलोड करने के लिए 31 जनवरी 2025 तक का 'आखिरी' मौका दिया गया है। लेबर मिनिस्ट्री ने बुधवार को बताया कि इसके लिए एंप्लॉयीज प्रॉविडेंट फंड ऑर्गनाइजेशन ने एक ऑनलाइन सुविधा दी है।

इसके जरिए ऊंचे वेतन पर पेंशन के लिए ऑप्शंस/जॉइंट ऑप्शंस के सत्यापन के एप्लिकेशन जमा किए जा सकते हैं। इस तरह आवेदन जमा करने की समय सीमा 11 जुलाई 2023 तक थी और तब तक 17 लाख 49 हजार पेंशनर्स या मेंबर्स के आवेदन मिले। मंत्रालय ने कहा कि एंप्लॉयर्स एसोसिएशंस की ओर से अनुरोध आया था कि वेज डिटेल्स अपलोड करने के लिए और वक्त दिया जाए, जिस पर पहले 30 सितंबर 2023, फिर 31 दिसंबर 2023 और उसके बाद 31 मई 2024 तक का वक्त दिया गया।

मंत्रालय ने कहा कि इसके बावजूद 3 लाख 10 हजार से अधिक आवेदनों का ऑप्शंस या जॉइंट ऑप्शंस के लिए सत्यापन एंप्लॉयर्स की ओर से नहीं हो सका है। समय सीमा बढ़ाने के अनुरोधों को देखते हुए अब 31 जनवरी 2025 तक का 'आखिरी' मौका दिया जा रहा है। मंत्रालय ने कहा कि एंप्लॉयर 4 लाख 66 हजार से अधिक उन मामलों में भी 15 जनवरी तक अपने जवाब या जानकारी जमा कर दें, जिनमें एंप्लॉयीज प्रॉविडेंट फंड ऑर्गनाइजेशन ने और जानकारी मांगी है या स्पष्टीकरण देने को कहा है। ये आवेदन एंप्लॉयीज प्रॉविडेंट फंड ऑर्गनाइजेशन को मिल चुके हैं।

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि ईएसआई स्कीम से इस साल अक्टूबर में 17 लाख 80 हजार नए वर्कर जुड़े हैं, जिनमें 25 साल तक के वर्कर्स की संख्या 8 लाख 50 हजार है। नए जुड़े सदस्यों में 3 लाख 52 हजार महिलाएं और 42 ट्रांसजेंडर हैं। अक्टूबर में ईएसआई स्कीम से 21588 नए संस्थान भी जुड़े। मंत्रालय ने कहा कि इससे और ज्यादा वर्कर्स को ईएमआई के सोशल सिक्योरिटी बेनेफिट मिलेंगे।

दिल्ली-एनसीआर में सबसे अधिक क्रिप्टो निवेश

नई दिल्ली. भारत के प्रमुख क्रिप्टो ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म कॉइनस्विच ने अपनी वार्षिक निवेशक रिपोर्ट-"इंडियाज क्रिप्टो पोर्टफोलियो 2024, हाउ इंडिया इन्वेस्ट्स" का तीसरा एडिशन पब्लिश किया है। इस रिपोर्ट में भारत के बढ़ते क्रिप्टो इकोसिस्टम और डिजिटल संपत्तियों में बढ़ती भागीदारी के बारे में बताया गया है। कॉइनस्विच के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र ने लगातार तीसरे साल क्रिप्टो अपनाने में सबसे बड़ी हिस्सेदारी बनाई है। इस क्षेत्र ने बेंगलुरु के मुकाबले लगभग दोगुना निवेश किया। मुंबई तीसरे स्थान पर रहा। रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली ने भारत के कुल क्रिप्टो निवेश का 20.1% हिस्सा प्राप्त किया, जबकि बेंगलुरु और मुंबई ने क्रमशः 9.6% और 6.5% योगदान दिया। बिटकॉइन और डॉजकॉइन में रुचि रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि भारतीय निवेशकों ने बिटकॉइन और मेम कॉइन्स जैसे डॉजकॉइन और शिब में अधिक रुचि दिखाई। डॉजकॉइन सबसे अधिक निवेश किए गए कॉइन की सूची में शीर्ष पर रहा, जबकि पेपे ने 2024 में 1300% की वृद्धि के साथ सबसे अच्छा प्रदर्शन किया।

तेल, चाय, कॉफी की 20% तक बढ़ सकती हैं कीमतें

नई दिल्ली.

महंगाई से त्रस्त लोगों को हाल-फिलहाल राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। आने वाले दिनों में स्थिति और बदतर हो सकती है। हिंदुस्तान यूनिलीवर, गोदरेज कंज्यूमर, डाबर, टाटा कंज्यूमर, पारले प्रोडक्ट्स, विप्रो कंज्यूमर, मैरिको, नेस्ले और अडानी विल्मर जैसी एफएमसीजी कंपनियों ने कमोडिटी की बढ़ती लागत और बढ़े हुए सीमा शुल्क की भरपाई के लिए अपने सामान की कीमतों में बढ़ोत्तरी करनी शुरू कर दी है। कंपनियों और डिस्ट्रीब्यूटर्स के अधिकारियों के मुताबिक चाय और खाद्य तेल से लेकर साबुन और स्किन क्रीम 5-20 फीसदी तक महंगी होने की आशंका है। यह पिछले 12 महीनों में कीमतों में सबसे बड़ी बढ़ोतरी होगी। सितंबर में वेजिटेबल ऑयल पर आयात शुल्क में 22 फीसदी और कैलेंडर वर्ष 2024 में 40 फीसदी तक की वृद्धि के कारण कंपनियों की उत्पादन लागत बढ़ गई है। 2023 में भी चीनी, गेहूं के आटे और कॉफी जैसी प्रमुख वस्तुओं की लागत में उछाल आया था। हाइड एंड सीक और फैब बिस्कुट बनाने वाली कंपनी पारले प्रोडक्ट्स के वाइस-प्रेजिडेंट मयंक शाह ने कहा कि हम अपने सभी ब्रांड की कीमतों में बढ़ोतरी कर रहे हैं। एक साल बाद कीमतों में इतनी बढ़ोतरी हो रही है।

हमें उम्मीद है कि इससे मांग पर असर नहीं पड़ेगा, जो पहले से ही दबाव में है। पारले अपने पूरे पोर्टफोलियो में संशोधित कीमतों के साथ पैक लॉन्च करने की तैयारी में है। रिटेल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार ग्रामीण मांग के कारण अक्टूबर में भारत के एफएमसीजी बाजार में साल-दर-साल 4.3 फीसदी की वृद्धि हुई, लेकिन नवंबर में इसमें 4.8 फीसदी की गिरावट आई। शहरी और ग्रामीण दोनों बिक्री में एक साल पहले की तुलना में गिरावट आई। एचयूएल ने साबुन और चाय की कीमतें बढ़ा दी हैं। डाबर ने भी हेल्थकेयर और ओरल केयर उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी की है जबकि नेस्ले ने अपने नेस्कैफे कॉफी ब्रांड के लिए कीमतों को एडजस्ट किया है।

सेबी ने छोटी कंपनियों के आईपीओ नियमों को सख्त बनाया

नई दिल्ली. पूंजी बाजार नियामक सेबी के निदेशक मंडल ने छोटी एवं मझोली कंपनियों (एसएमई) के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने से संबंधित प्रक्रिया को सशक्त करने के लिए बुधवार को एक सख्त नियामकीय रूपरेखा को मंजूरी दी। इसके अलावा, सेबी ने बिक्री पेशकश (ओएफएस) को सीमित करने का फैसला किया है और प्रवर्तकों के लिए चरणबद्ध 'लॉक-इन' पेश किया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के निदेशक मंडल की यहां हुई बैठक में यह फैसला किया गया। सेबी ने एक बयान में इस बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी दी। बयान के मुताबिक, सेबी के निदेशक मंडल ने डिबेंचर ट्रस्टी, ईएसजी रेटिंग प्रदाताओं, इनविट्स, रीट्स और एसएम रीट्स के लिए कारोबारी सुगमता को बढ़ावा देने के लिए सुधारों को भी मंजूरी दी। इसके अलावा अनुमोदित सुधारों का उद्देश्य एसएमई को एक अच्छा ट्रैक रिकॉर्ड प्रदान करना और निवेशकों के हितों की रक्षा करते हुए जनता से धन जुटाने का अवसर प्रदान करना है। इस संबंध में, बोर्ड ने सेबी (आईसीडीआर) विनियम, 2018 और सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 में संशोधन को मंजूरी दे दी। यह कदम एसएमई के निर्गम बढ़ने के बाद उठाया गया है, जिसने महत्वपूर्ण निवेशक भागीदारी को बढ़ावा दिया है। लाभप्रदता मानदंड के संबंध में, एसएमई इकाइयों की तरफ से लाए जाने वाले आईपीओ के संबंध में सेबी ने कहा कि निर्गम लाने की योजना बनाने वाली छोटी एवं मझोली कंपनियों को अपना मसौदा दस्तावेज (डीआरएचपी) दाखिल करते समय पिछले तीन में से दो वित्त वर्षों में कम से कम एक करोड़ रुपये का परिचालन लाभ (ब्याज, मूल्यह्रास और कर से पहले की कमाई यानी एबिटा) दिखाना होगा। एसएमई आईपीओ में शेयरधारकों द्वारा बिक्री के लिए बिक्री पेशकश (ओएफएस) की सीमा कुल निर्गम आकार के 20 प्रतिशत तक सीमित कर दी गई है।

निकाल — महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — महाराष्ट्र गजलक्ष्मी — गुरु विकली लॉटरी — सोडत संध्या. 4:45 वाजता

सोडत दर गुरुवार • सोडत क्रमांक 51 • तिकीट किं. रु. 20/- • सोडत दिनांक 19/12/2024

मालिका	GL-00	GL-01	GL-02	GL-03	GL-04
पहिले बक्षिस रु. 10,000/-	0663	2284	6469	8701 (श्री गणेश एन्टरप्रायझेस, दादर, मुंबई)	8463 (महावीर लॉटरी सेंटर, कोल्हापूर)

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES

बक्षिस										
दुसरे बक्षिस रु. 5000/-	6268	9599 (श्री गणेश एन्टरप्रायझेस - दादर, मुंबई)								
तिसरे बक्षिस रु. 2000/-	1712	1950	4665	7313	7429					
चौथे बक्षिस रु. 1000/-	0385	1335	3098	3797	4320	4595	7213	7494	9301	9605
पाचवे बक्षिस रु. 500/-	0751	0977	1938	3234	3698	5588	5848	6958	8787	8814

सहावे बक्षीस रु. 300/- (सर्व मालिकांसाठी)

	0702	1261	2364	3448	4407	5294	6466	7187	7822	8567
	0713	1406	2367	3487	4418	5449	6471	7247	7835	8751
0027	0719	1419	2443	3499	4448	5509	6481	7309	7837	8818
0031	0801	1508	2522	3558	4449	5513	6600	7338	7848	8864
0065	0809	1513	2532	3599	4458	5580	6614	7382	7963	9341
0068	0888	1670	2627	3713	4594	5595	6637	7396	8091	9426
0090	0903	1876	2637	3739	4687	5789	6639	7430	8216	9463
0104	0907	1909	2712	3880	4703	5839	6660	7455	8139	9497
0141	0928	1978	2762	3974	4718	5842	6686	7471	8174	9498
0173	1081	1981	2836	3983	4754	5870	6692	7537	8198	9594
0190	1121	2012	2927	4056	4844	5897	6731	7561	8233	9638
0218	1139	2082	2980	4113	4904	6005	6898	7647	8281	9675
0306	1164	2117	2996	4123	4910	6015	6904	7736	8328	9776
0311	1166	2205	3047	4124	4917	6027	6916	7737	8391	9809
0328	1187	2259	3133	4139	4919	6084	6946	7779	8405	9819
0456	1170	2273	3303	4176	4990	6151	6976	7758	8427	9895
0570	1211	2303	3317	4243	5012	6255	7077	7767	8452	9936
0631	1221	2320	3320	4324	5138	6270	7117	7779	8528	9947
0690	1243	2335	3346	4340	5145	6376	7131	7789	8563	9997

महाराष्ट्र गजराज मासिक सोडत — 25/12/2024 — पहिले सामाईक बक्षिस रु. 14 लाख — 2.5 लाख — 20/-

महाराष्ट्र गजलक्ष्मी गुरु — 19/12/2024 — ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : /princeagency

आकर्षक पुष्कराज विकली लॉटरी — मुरवारी — तिकीट किंमत रु. 50/- — सोडत क्र. 51 — 19/12/2024

बक्षिस						
पहिले सामाईक बक्षिस रु. 7 लाख	AP-05 : 6021	श्री सिद्धि समर्थ एजेंसी, दादर - मुंबई				
उत्तेजनार्थ बक्षिस रु. 5000/-	6021					
2000/-	1229	1796	2514	3344	4905	5504
1000/-	1470	1560	3716	4121	4449	5177
500/-	2090	3570	4460	4526	5118	6498
200/-	1376	2180	2612	3487	4915	5726

रु. 100/- (सर्व मालिकांसाठी)

		1789	2186	2588	3001	3372	3776	4124	4492	5052	5546	6043	6547
		1790	2193	2604	3002	3374	3790	4134	4496	5066	5554	6044	6552
1001	1278	1800	2197	2627	3003	3382	3794	4162	4506	5068	5557	6058	6559
1002	1285	1809	2202	2650	3005	3386	3795	4163	4509	5077	5569	6069	6560
1006	1288	1814	2206	2654	3013	3389	3799	4202	4521	5078	5572	6076	6566
1011	1312	1815	2207	2655	3018	3390	3810	4208	4524	5089	5574	6080	6568
1016	1319	1829	2208	2664	3043	3399	3815	4224	4548	5097	5578	6096	6606
1029	1322	1830	2209	2701	3051	3426	3819	4231	4558	5094	5592	6096	6608
1040	1323	1835	2228	2723	3054	3433	3823	4245	4556	5099	5597	6108	6614
1043	1328	1836	2237	2726	3061	3435	3832	4259	4557	5131	5603	6117	6625
1049	1384	1845	2238	2728	3064	3437	3834	4263	4561	5154	5612	6131	6640
1061	1347	1852	2244	2729	3106	3445	3838	4268	4594	5159	5642	6134	6642
1066	1371	1857	2246	2732	3135	3446	3858	4271	4596	5167	5647	6170	6645
1077	1391	1884	2276	2736	3163	3449	3866	4286	4600	5191	5735	6176	6656
1085	1398	1891	2254	2749	3165	3456	3870	4304	4649	5201	5750	6196	6666
1091	1418	1916	2260	2756	3193	3459	3871	4315	4704	5205	5753	6213	6673
1095	1428	1919	2272	2757	3195	3469	3874	4322	4717	5208	5755	6238	6678
1100	1421	1918	2273	2763	3198	3478	3877	4333	4718	5232	5765	6238	6680
1102	1424	1921	2275	2772	3199	3479	3878	4336	4720	5248	5775	6274	6682
1114	1458	1930	2277	2802	3231	3493	3882	4371	4773	5259	5783	6306	6706
1140	1465	1941	2279	2809	3233	3507	3897	4381	4817	5305	5785	6317	6708
1145	1470	1949	2292	2820	3273	3533	3903	4384	4830	5305	5788	6318	6728
1152	1476	1953	2314	2821	3286	3546	3930	4394	4891	5385	5820	6376	6769
1163	1479	1957	2322	2850	3302	3573	3936	4400	4893	5407	5825	6379	6776
1166	1505	1981	2325	2853	3313	3616	3939	4403	4899	5408	5833	6380	6789
1176	1508	2011	2330	2875	3333	3628	3942	4404	4910	5415	5866	6388	6859
1181	1535	2027	2398	2882	3325	3644	3989	4413	4930	5431	5884	6394	6877
1187	1561	2025	2426	2893	3328	3647	4007	4416	4940	5441	5888	6408	6902
1190	1609	2028	2432	2898	3331	3664	4062	4424	4941	5455	5894	6416	6908
1205	1628	2041	2462	2907	3340	3679	4066	4427	4945	5464	5917	6440	6911
1210	1634	2098	2475	2915	3341	3708	4068	4446	4948	5484	5919	6456	6934
1220	1650	2102	2486	2933	3342	3711	4074	4447	4968	5489	5938	6483	6950
1226	1710	2106	2523	2958	3349	3731	4082	4453	4971	5490	5960	6484	6963
1230	1715	2109	2526	2977	3356	3733	4097	4466	4978	5501	5975	6485	6964
1244	1745	2110	2540	2979	3359	3738	4102	4468	4983	5507	5976	6535	6976
1256	1754	2122	2564	2991	3365	3748	4104	4482	4988	5508	5989	6544	6989
1269	1784	2127	2566	2997	3370	3758	4119	4484	5034	5537	6003	6545	6996

MAHARASHTRA NATAL NEW YEAR BUMPER DRAW — सोडत दिनांक 03-01-2025 — 50 लाख — 10 लाख

आकर्षक पुष्कराज — 19/12/2024 — ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : /princeagency

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

राज्य में बड़ी जीत भी मुसीबत

> बीजेपी की रणनीति पर क्यों चले शिंदे और अजित पवार?

मुंबई.

राज्य के नए मंत्रियों के शपथ लेने से एक दिन पहले 14 दिसंबर को विधायक अपने पीए के बजाय खुद मोबाइल फोन लेकर बैठे थे। चुनाव परिणाम घोषित होने के 22 दिन बाद मंत्रिमंडल का विस्तार होना था। सभी शपथ ग्रहण के लिए कॉल का इंतजार कर रहे थे। उन्हें उम्मीद थी कॉल किसी समय आ सकता है। 15 दिसंबर को आखिरकार 39 मंत्रियों ने शपथ ली और मंत्रिमंडल में 42 सदस्य हो गए। इससे पहले सीएम देवेंद्र फडणवीस और उनके दो डिप्टी एकनाथ शिंदे और अजीत पवार ने बताया कि मंत्रियों के कामकाज का ढाई साल बाद मध्यावधि समीक्षा करेंगे। उनका यह सार्वजनिक बयान जवाबदेही से ज्यादा राजनीतिक संतुलन बनाने की कोशिश थी। प्रतीक महाजन लिखते हैं कि यह उन दावेदारों के लिए आश्वासन था, जिन्हें मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली।लोकसभा चुनावों में एक बड़े झटके के बाद महायुति (एनडीए) ने 288 विधानसभा सीटों में से 237 पर कब्जा करके बड़ी वापसी की। इस जीत के बाद भी महायुति के सामने चुनौतियां बढ़ गई। यूपी का अनुभव है कि जब ज्यादा विधायक जीत जाते हैं तो पार्टी के अंदर असंतोष का खतरा भी बढ़ जाता है। जो विधायक खुद को उपेक्षित महसूस करते हैं, वह पार्टी को नुकसान भी पहुंचा सकते हैं। यूपी से सबक लेते हुए महायुति की पार्टियों ने समीक्षा के बहाने ढाई साल का फॉर्मूला निकाला, ताकि गठबंधन के गठबंधन के भीतर सत्ता संघर्ष को रोका जा सके। यह स्ट्रैटजी प्रभुत्व स्थापित करने, दरकिनार किए गए विधायकों को खुश करने और गठबंधन की राजनीति की बदलती परिस्थितियों से निपटने में सही साबित हो सकती है।प्रतीक महाजन के अनुसार, बीजेपी सरकार में शामिल होने के बाद भी अजित पवार और शिंदे दोनों ही चिंतित हैं।

अमित शाह ने एक बयान दिया था कि बीजेपी 2029 तक अपने दम पर राज्य सरकार बनाएगी। बीजेपी के कई नेताओं ने भविष्य के चुनावों में अपने दम पर 200 सीटें जीतने की महत्वाकांक्षा जाहिर की है। ऐसे बयानों से बीजेपी अपने सहयोगियों पर प्रेशर बनाए रखना चाहती है। कुल मिलाकर मंत्रियों के काम की मध्यावधि समीक्षा महाराष्ट्र के लोगों की आकांक्षाओं से ज्यादा गठबंधन की राजनीति में मैनेजमेंट का तरीका ही लगती है। अब आने वाले वक्त में पता चलेगा कि क्या यह रणनीति वास्तविक शासन सुधारों को बढ़ावा देती है या केवल उस संतुलन साधने का तरीका है।

महायुति में सत्ता पर नियंत्रण और प्रभुत्व की लड़ाई

प्रतीक महाजन के अनुसार, महायुति के तीनों नेता अजित पवार, एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस अब ऐसी पार्टियों का नेतृत्व कर रहे हैं, जिनमें पिछले पांच वर्षों में नाटकीय परिवर्तन हुए हैं। पांच साल तक सीएम रहे देवेंद्र फडणवीस को 2022 में शिंदे की शिवसेना के पीछे जाना पड़ा। अब जब सरकार पर बीजेपी का नियंत्रण हो चुका है, फडणवीस एक बार फिर अपने सीएम वाले अधिकार को स्थापित करने को तैयार हैं।

'प्याज पर 20 फीसदी निर्यात शुल्क हटाएं'

> अजित पवार ने केंद्र को पत्र लिखकर की मांग

मुंबई.

महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने गुरुवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार से अनुरोध किया कि वह प्याज के निर्यात पर 20 फीसदी शुल्क हटा दे, ताकि प्याज उगाने वाले किसानों को राहत मिल सके। पवार ने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को पत्र लिखा है और नासिक जिले के किसानों का मुद्दा उठाया है। नासिक बड़ी मात्रा में प्याज का उत्पादन होता है।

पत्र में अजित पवार ने लिखा, यहां (नासिक में) उगाए गए प्याज अन्य राज्यों में बड़े पैमाने पर निर्यात किए जाते हैं। गर्मी के सीजन का प्याज खत्म हो चुका है और इसकी ताजा फसल महाराष्ट्र के विभिन्न कृषि उत्पाद बाजार समितियों में पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा, प्याज की बड़ी मात्रा आने के कारण किसान अब परेशान हैं, क्योंकि उन्हें अपनी उपज बहुत कम कीमत पर बेचनी पड़ रही है।

इसके कारण उन्हें न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा, किसान प्याज को औसदन 2,400 रुपये प्रति क्विंटल बेच रहे हैं।

पवार ने कहा, अनियमित बारिश और बदलते मौसम ने पहले प्याज किसानों की आय में भारी कमी की है। उप मुख्यमंत्री नागपुर में महाराष्ट्र विधानसभा के शीतकालीन सत्र में शामिल होने के लिए आए हैं। उन्होंने कहा, अगर किसानों को उत्पादन लागत से कम कीमत पर प्याज बेचना पड़ा, तो उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ेगा।

उन्होंने यह भी कहा कि विदेश में महाराष्ट्र से प्याज की बड़ी मांग है। महाराष्ट्र देश का सबसे बड़ा प्याज उत्पादक राज्य है और नासिक जिले के लासलगांव में एशिया का सबसे बड़ा प्याज का थोक बाजार है।

पत्र में उन्होंने कहा, केंद्र ने प्याज के निर्यात पर 20 फीसदी शुल्क लगा रखा है, जिससे राज्या का यह मुख्य उपभोक्ता उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रतिस्पर्धा नहीं कर पा रहा है। उन्होंने कहा, 20 फीसदी शुल्क हटाने से किसान राहत महसूस करेंगे और अपने नुकसान की कुछ भरपाई कर पाएंगे।

काम के लिए पैसे मांगने पर युवक पर हमला

पुणे.

लोहगांव इलाके में एक घटना घटी जहां काम के बदले पैसे मांगने को लेकर हुए विवाद में दो लोगों पर चाकू से हमला कर दिया गया. हत्या के प्रयास के आरोप में एक को गिरफ्तार किया गया। घायलों के नाम रोहित प्रकाश पारख (उम्र 29, निवासी वडगांव शेरी), अक्षय पटोले हैं। इस मामले में एयरपोर्ट पुलिस ने कल्पेश फकीरचंद रंगारी (उम्र 42, निवासी फॉरेस्ट पार्क सोसायटी, लोहगांव) को गिरफ्तार किया है।

रोहित पारख ने एयरपोर्ट थाने में शिकायत दर्ज कराई है. पुलिस के मुताबिक, पारख और उसके दोस्त पटोले ने रंगारी के लिए काम किया था। काम के बदले पैसे मांगने पर रंगारी और पारख के बीच विवाद हो गया। पारख और पटोले काम के लिए पैसे मांगने रंगारी गए। उस समय रंगारी ने पारख को अपशब्द कहे। रंगारी घर से कोयता ले आई। उसने परख पर कोयते से वार किया।

उस वक्त पटोले ने बीच-बचाव की कोशिश की थी. आरोपी ने पटोले पर कोयते से वार कर दिया. क्राइम ब्रांच के पुलिस इंस्पेक्टर राजेंद्र पन्हाले जांच कर रहे हैं.

'घटेंगे तो काटेंगे' पर भी गौर करना चाहिए

> गोविंददेव गिरि का बयान

पुणे. सभी धर्मों का मूल सनातन धर्म, मानव धर्म है. विश्व शांति की घोषणा करके और हमें विश्व शांति का पाठ पढ़ाकर विश्व में प्रभुत्व स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। युद्ध नहीं रुकते, अल्पसंख्यकों पर अत्याचार होता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने पक्ष रखा कि उन्हें देखना चाहिए कि अल्पसंख्यकों की स्थिति क्या है. वे हिंदू आध्यात्मिक सेवा संगठन, शिक्षण प्रसारक मंडली द्वारा। डब्ल्यू भागवत कॉलेज मैदान में आयोजित हिंदू सेवा महोत्सव के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। राम जन्मभूमि न्यास के कोषाध्यक्ष गोविंददेव गिरि, महोत्सव के अध्यक्ष कृष्ण कुमार गोयल, शिक्षण प्रसारक मंडली के संचालक मंडल के अध्यक्ष एडवोकेट. एस। के. इस अवसर पर जैन, लाभेश मुनि, गौरांग प्रभु, हिंदू आध्यात्मिक सेवा संघ के अध्यक्ष अशोक गुंदेचा उपस्थित थे।

भागवत ने कहा, अब तक धारणा थी कि बाहर से लोग आकर सेवा करते हैं. लेकिन सनातन धर्म वाले भी सेवा करते हैं। यह कभी प्रसिद्ध नहीं हुआ. जो लोग अच्छा बनना चाहते हैं वे बिना दिखावा किये अच्छे बन जाते हैं। विदेशियों ने देश पर शासन किया। हम अपना इतिहास भूल गए हैं. ऐसे समय में हमें पढ़ना और सीखना चाहिए. इसलिए जरूरत है अपनी ताकत दिखाने की, अपने हथियार दिखाने की. संसार उपभोग की वस्तु नहीं है। आज व्यक्तिवाद अति हो गया है। मैं, मेरे करियर के बारे में सोचा जाता है. लेकिन यह ज़्यादा नहीं होना चाहिए. समाज, परिवार, सृष्टि का विचार करना चाहिए। सभी को सेवा कार्य में अपना योगदान देना चाहिए। हिंदू शब्द से समझौता नहीं किया जाना चाहिए. ये एक शब्द है तारणहार. इसे कभी परोसा नहीं गया और न ही कभी इसका विज्ञापन किया गया। लेकिन आज का समय अलग है. यह पहल हमारे काम को समुदाय के सामने लाने के लिए महत्वपूर्ण है। जाति से बाहर आकर हिंदू बनकर देश की सेवा करनी चाहिए। जानने के लिए तो बटेंगे से कटेंगे, साथ ही घटेंगे से कटेंगे पर भी ध्यान देने की जरूरत है। गोविंददेव गिरि ने कहा कि देश के समर्थन के लिए हिंदुओं को मजबूत होना होगा।

युवक के पास से पिस्तौल और कारतूस बरामद

> क्राइम ब्रांच ने किया गिरफ्तार

पुणे.

क्राइम ब्रांच ने अवैध देशी पिस्तौल ले जा रहे एक सरायता को मुंबई से गिरफ्तार किया है. यह कार्रवाई हडपसर इलाके के सैयद नगर इलाके में की गई. उसके पास से एक देशी पिस्तौल और कारतूस बरामद किये गये.

गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान रेहान नजीर कुरैशी (उम्र 34, निवासी लिम्बोनी बाग, गोवंडी, मुंबई) के रूप में हुई है। साहिल राजू शेख (24) और ज़ैद जावेद खान (22) को क्राइम ब्रांच की यूनिट छह ने हडपसर इलाके में देशी पिस्तौल रखने के आरोप में गिरफ्तार किया था। उनके पास से तीन पिस्तौल और चार कारतूस बरामद किये गये. इस मामले में उसका साथी रेहान कुरेशी मारा गया था. पुलिस इंस्पेक्टर वाहिद पठान को जानकारी मिली कि कुरेशी हडपसर इलाके के सैयद नगर इलाके में आएगा. इसके बाद पुलिस टीम ने जाल बिछाया और उसे पकड़ लिया. उसके पास से एक देशी पिस्तौल और एक कारतूस बरामद किया गया. पुलिस उपायुक्त निखिल पिंगले के मार्गदर्शन में सहायक आयुक्त राजेंद्र मुलिक, पुलिस निरीक्षक वाहिद पठान, सहायक निरीक्षक मदन कांबले, उपनिरीक्षक रामकृष्ण दलवी और अन्य ने यह कार्रवाई की.

वाहन स्पेयर पार्ट्स के गोदाम में लगी आग

डोंबिवली.

डोंबिवली यहां पूर्व में कस्तूरी प्लाजा परिसर के पास श्री मौली प्रसन्ना सोसायटी के भूतल पर वाहनों के स्पेयर पार्ट्स के गोदाम में गुरुवार सुबह आग लग गई. नगर निगम के फायर ब्रिगेड कर्मियों ने दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। सद्गुरु कृपा वाहन स्पेयर पार्ट्स बिक्री की दुकान मानपाड़ा रोड पर टाटा पावर लाइन के पास श्री मौली प्रसन्ना सोसायटी के भूतल पर स्थित है और इसके पीछे एक स्पेयर पार्ट्स का गोदाम स्थित है। गुरुवार सुबह गोदाम से धुआं निकलने लगा। आग लगने की खबर सुनते ही सोसायटी के आसपास के निवासी घबरा गए। आग को अन्य इलाकों में फैलने से रोकने के लिए गोदामों के पास के व्यापारियों ने अपनी दुकानों से लकड़ी, ज्वलनशील सामान को दुकानों के बाहर हटा दिया।

नगर निगम की फायर ब्रिगेड तुरंत मौके पर पहुंची। धुएं से भरे बंद गोदाम में दरवाजे से अंदर जाना संभव नहीं होने पर जवानों ने गोदाम की खिड़कियां तोड़ दीं और पानी का छिड़काव शुरू कर दिया. गोदाम में टायर और वाहन लुब्रिकेंट थे, इसलिए आग अंदर तक फैल गई थी। रामनगर पुलिस ने सबसे पहले इस बिल्डिंग में रहने वाले लोगों को बाहर निकाला. दमकल कर्मियों ने दो घंटे के अथक प्रयास के बाद आग पर काबू पाया। आशंका जताई जा रही है कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी होगी.इस क्षेत्र के निवासी पिछले कई वर्षों से प्रशासन से शिकायत कर रहे हैं कि पुलिस, यातायात पुलिस और नगर पालिका को कस्तूरिल प्लाजा परिसर के पास टाटा पावर लाइन के नीचे वाहन मरम्मत कार्यशालाओं को बंद करना चाहिए। रहवासियों का कहना है कि इस ओर ध्यान नहीं दिया जाता। वार्ड सी के सहायक आयुक्त संजय कुमार कुमावत ने पहले इन कार्यशालाओं, उनके आश्रयों के सड़क कार्य को ध्वस्त कर दिया था। क्षेत्रवासियों का कहना है कि परिवहन विभाग और पुलिस को संयुक्त कार्रवाई कर आवासीय क्षेत्र में चल रही इन वाहन मरम्मत कार्यशालाओं को बंद कराना चाहिए। निवासियों ने बताया कि अगर गोदाम में आग लग जाती तो पूरा शहरी क्षेत्र आग की चपेट में आ जाता.

शवदाहगृहों को नगर निगम का 10 करोड़ का फंड

पनवेल. मनपा प्रशासन पनवेल मनपा क्षेत्र में तलोजा कॉलोनी में दो स्थानों, कोयनावेले में चार स्थानों और घोट में नए शवदाह गृह का निर्माण करेगा। इसके लिए नगर पालिका 10.68 लाख रुपये खर्च करने जा रही है। हाल ही में टेंडर की घोषणा की गई थी.तलोजा कॉलोनी में विभिन्न राजनीतिक दलों को हिंदू और मुस्लिम दोनों धर्मों के नागरिकों के लिए एक श्मशान के लिए एक जन आंदोलन आयोजित करना पड़ा। सिडको बोर्ड से संबंधित भूखंड के हस्तांतरण के बाद, नगर निगम प्रशासन ने भूखंड पर कब्जा कर लिया है और उस पर विकास कार्य शुरू कर दिया है। तलोजा फेस वन में सेक्टर 15 में प्लॉट नंबर 10 पर 1499.53 वर्ग मीटर क्षेत्र, तलोजा फेस 2 में 578 वर्ग मीटर प्लॉट, कोयनावेल में 1261 वर्ग मीटर प्लॉट और घोट में 576.53 वर्ग मीटर प्लॉट पर नगर पालिका द्वारा श्मशान घाट का निर्माण किया जाना है। नगर पालिका के निर्माण विभाग ने इसके लिए 10 करोड़ 68 लाख 16 हजार रुपये का टेंडर घोषित किया है. पनवेल नगर आयुक्त मंगेश चितले के मार्गदर्शन में सभी वार्डों में एक श्मशान बनाने की योजना बनाई गई है। चूँकि कब्रिस्तान के लिए कोयनावेल, घोट और तलोजा कॉलोनी में दो स्थानों पर आरक्षित भूमि की हस्तांतरण प्रक्रिया सिडको बोर्ड द्वारा पूरी कर ली गई है।

आज का राशिफल

मेष - जातकों के लिए कल दिन इनकम को बढ़ाने वाला रहेगा. आपको अपने घरेलू कामों पर पूरा ध्यान देना होगा.

वृषभ - जातकों के लिए दिन आनंदमय रहने वाला है. आपकी संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी. आप अपने फिजूल के खर्चों को बढ़ा सकते हैं.

मिथुन- जातकों के लिए कल दिन सुख सुविधाओं को बढ़ाने वाला रहेगा. आपके घर किसी नये मेहमान का आगमन हो सकता है, जिससे माहौल खुशनुमा रहेगा.

कर्क -दिन व्यस्तता भरा रहने वाला है. आप अपनी जिम्मेदारियां को बखूबी निभाएंगे और किसी से यदि कोई कर्ज लिया था, तो उसे भी उतारने में सफल रहेंगे.

सिंह - शीघ्रता व भावुकता में कोई निर्णय लेने से बचना होगा. यदि किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करने का मौका मिले, तो आप अवश्य करें.

कन्या - जातकों के लिए दिन रचनात्मक क्षमता को बढ़ाने वाला रहेगा. आपकी कला कौशल में सुधार आएगा. आपको अपने विरोधियों से सतर्क रहना होगा.

तुला -आज दिन सोच समझकर कामों को करने के लिए रहेगा. आपकी कुछ प्रभावशाली लोगों से मुलाकात होगी.

वृश्चिक - आज कल दिन मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है. बच्चों के साथ आप समय मौज मस्ती करने में व्यतीत करेंगे.

धनु -जातकों की नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी. आप अपने आवश्यक कामों को कल पर टालने की कोशिश ना करें. यदि आपने धन संचय करने का सोचा था

मकर -जातकों के लिए दिन मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है. आपको पारिवारिक मुद्दों में ढील देने से बचना होगा.

कुंभ -आज दिन मिला-जुला रहने वाला है. आपको यदि कोई शारीरिक कष्ट लंबे समय से चल रहा था, तो उसमें भी काफी हद तक राहत मिलेगी.

मीन -आज दिन मेहनत से काम करने के लिए रहेगा. आपको अपने विरोधियों से सतर्क रहना होगा. साझेदारी में कोई काम करना आपके लिए अच्छा रहेगा.

मां के हत्यारे को मौत की सजा पर 'सुप्रीम' रोक

> हत्या के बाद खाए थे बॉडी पार्ट!

नई दिल्ली.

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को 2017 में अपनी मां की हत्या करने और उसके अंग खाने के दोषी सुनील कुचकोरवी की मौत की सजा पर रोक लगा दी है. बता दें कि कोल्हापुर कोर्ट ने सुनील कुचकोरवी को मौत की सजा सुनाई था. कोर्ट ने इसे नरभक्षण का मामला बताते हुए कहा था कि दोषी में सुधार की कोई गुंजाइश नहीं है. हाईकोर्ट के जस्टिस रेवती मोहिते डेरे और पृथ्वीराज चव्हाण की बेंच ने कहा था कि यह मामला 'रेयरेस्ट ऑफ द रेयर' कैटेगरी में आता है. अगर उसे उम्रकैद दी जाएगी तो वह जेल में भी ऐसा अपराध कर सकता है.दरअसल सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति सूर्यकांत, पंकज मिथल और उज्ज्वल भुयान की तीन सदस्यीय पीठ ने दोषी की तरफ से दायर अपील पर नोटिस जारी किया है. इसमें निचली अदालत द्वारा शुरू में दी गई मौत की सजा को बरकरार रखने के बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई थी. सुप्रीम कोर्ट ने 11 दिसंबर के अपने आदेश में कहा कि नोटिस जारी करें, जिसका जवाब 14 अप्रैल 2025 को दिया जाए. इस बीच, मौत की सजा पर रोक रहेगी. जांच में सामने आया था कि छोटा बेटा सुनील शराब का आदी था. घटना वाले दिन उसकी मां जब घर आई तो उसने पैसे की मांग की. यल्लावा ने जब मना किया तो दोनों के बीच बहस हो गई. इसके बाद सुनील नाराज होकर घर से निकल गया और करीब एक बजे शराब के नशे में धुत होकर घर पहुंचा. फिर अपनी मां यल्लावा से बहस की और चाकू से हमला कर दिया.

शरीर के अंगों को निकालकर पकाया

दरअसल यह भयावह घटना 28 अगस्त 2017 को घटी थी, जब सुनील कुचकोरवी ने अपनी 60 वर्षीय मां, यल्लावा कुचकोरवी की उनके घर पर हत्या कर दी. इसके बाद उनके शरीर के अंगों को निकाल दिया और उनके शरीर के अंगों को नमक और मिर्च पाउडर के साथ पकाया. जानकारी के मुताबिक सुनील की मां यल्लावा कुचकोरवी गांव-गांव जाकर गुब्बारे और कंघी बेचती थी. यल्लावा केदो बच्चे राजू और सुनील हैं.

कोल्हापुर कोर्ट ने सुनाई थी मौत की सजा

घटना का सूचना मिलते हुए आसपास के लोगों ने पुलिस को जानकारी दी. पुलिस जब उसके घर पहुंची तो आरोपी मां के दिल को पकाने वाला था. पुलिस ने तत्काल उसे गिरफ्तार कर लिया और चाकू भी बरामद कर लिया. इस मामले में 12 लोगों ने गवाही दी थी. साल 2021 में कोल्हापुर कोर्ट ने उसे मौत की सजा सुनाई थी, जिसे बॉम्बे हाईकोर्ट ने भी सही ठहराया था.

तंबाकूमुक्त स्कूल घोषित किया गया येवला तालुका

नासिक. छात्रों और शिक्षकों को तंबाकू मुक्त बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ प्रशासनिक स्तर पर भी प्रयास किये जा रहे हैं. इन प्रयासों के तहत अब तक जिले के नौ तालुकों को तंबाकू मुक्त बनाया जा चुका है। हाल ही में येवाला से एस. एन। डी। इंजीनियरिंग कॉलेज के सभागार में तंबाकू मुक्त स्कूल अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में येवाला को आधिकारिक तौर पर तंबाकू मुक्त स्कूलों का तालुका घोषित किया गया।

ग्लोबल एडल्ट टोबैको सर्वे के मुताबिक, भारत में तंबाकू के सेवन से हर दिन 3500 और हर साल करीब 13 लाख लोगों की मौत होती है। इस पृष्ठभूमि में, छात्रों के लिए तंबाकू मुक्त स्कूल अभियान चलाया जा रहा है। राज्य सरकार ने 20 फरवरी, 2023 को और उससे पहले एक परिपत्र जारी किया और राज्य के सभी स्कूलों को तंबाकू मुक्त करने का आदेश दिया। तदनुसार, येवला तालुका में कुल 315 स्कूलों को तंबाकू मुक्त घोषित किया गया है। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के जिला तंबाकू नियंत्रण सेल और सलाम मुंबई फाउंडेशन और एवरेस्ट फाउंडेशन द्वारा तालुका के सभी स्कूलों और केंद्र प्रमुखों को सम्मानित किया गया । इस अवसर पर समूह शिक्षा अधिकारी संजय कुसालकर, विस्तार अधिकारी सुनील मारवाड़ी, मनीषा वाकचौरे और सलाम मुंबई फाउंडेशन के गणेश कटकड़े मंच पर उपस्थित थे। येवला नासिक क्षेत्र में तंबाकू मुक्त स्कूलों का 10वां तालुका बन गया है, इससे पहले नासिक जिले के निफाड, डिंडोरी, चंदवाड, कलवान, पेठ, सुरगाना, इगतपुरी, देवला और सिन्नार तालुका तंबाकू मुक्त स्कूल बन चुके हैं।

सांड के हमले में मालिक की मौत

बदलापुर. बदलापुर में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां बैल को प्रैक्टिस के लिए ले जाते समय उसके मालिक की बैल के हमले में मौत हो गई. इसमें बदलापुर पश्चिम के वलीवली इलाके के निवासी विजय म्हात्रे की मौत हो गई है। म्हात्रे एक निजी स्कूल में खेल प्रशिक्षक के रूप में कार्यरत थे। दौड़ का शौक होने के कारण वह बैलों की देखभाल करता था। मंगलवार को हुई इस घटना से शहर में एक ही माहौल बना हुआ है. विजय म्हात्रे अंबरनाथ और बदलापुर इलाके में छात्रों को ताइक्वांडो और स्केटिंग खेल का प्रशिक्षण देते थे। उन्हें रेसिंग भी पसंद थी. इसलिए वह एक बैल की देखभाल करने लगा। उसे दौड़ में दौड़ने वाले अपने बैल से भी विशेष प्रेम था। मंगलवार को म्हात्रे नियमित रूप से अपने बैल को अभ्यास के लिए बाहर ले जा रहे थे। जब वे उसे उल्हास नदी के किनारे ले जा रहे थे, तो उसका पैर अपने ही बैल की रस्सी में फंस गया। जिससे वृद्ध नीचे गिर गया। इस बार उनका ही सांड उन पर हमला करने लगा. नीचे गिरते ही वृद्ध अपना बचाव नहीं कर सका। यह देख कुछ लोग उसे बचाने के लिए दौड़े, लेकिन सांड के उग्र रूप धारण कर लेने के कारण कोई उसे बचा नहीं सका। इस हमले में विजय म्हात्रे की मौत हो गई. बताया जा रहा है कि इस बैल को कुछ दिन पहले कुत्ते ने काट लिया था. दिलचस्प बात यह है कि इस हमले के बाद बैल की भी मौत हो गई.

PUBLIC NOTICE
Pro. No. 19352 Date 12.12.24
IN THE COURT OF 17th Jt. CIVIL JUDGE SR. DN., NAGPUR. (M.S.) Room No. 112
Succession Case No. 300/2024
Fixed For 09/01/2025

Applicants : 1) Kamla Tarachand Meshram, 2) Sanjay Tarachand Meshram, 3) Uttam Tarachand Meshram, 4) Jaishri Siddharth Bagde, 5) Vandana Tarachand Meshram, 6) Ujwala Tarachand Meshram, Both R/o. Indora Zopada Republican Nagar, Near Shravasti Buddha Vihar, Jaripatka, Nagpur.

-Versus- Non Applicants : Nil

Name of Deceased : Late Tarachand Bajirao Meshram, Died On: 20/02/2016, R/o Indora Zopada Republican Nagar, Near Shravasti Buddha Vihar, Jaripatka, Nagpur.

Whereas **Late Tarachand Bajirao Meshram, Died On: 20/02/2016,** R/o Indora Zopada Republican Nagar, Near Shravasti Buddha Vihar, Jaripatka, Nagpur. **Died at Nagpur** and Whereas **Kamla Tarachand Meshram & Others** has presented an application to this court for grant of Succession Certificate U/s. 372 of Indian Succession Act, **In respect of the Account No. 500110100003898 amount is Rs. 8,00,483/-** in the name of the deceased & left by the deceased.

This is to give Public Notice to all persons who may dispute the right of the said Applicant **Kamla Tarachand Meshram & Others** as successor, of the deceased, to appear in the Court of **17th Jt. Civil Judge Sr. Dn., Nagpur** on **09th day of Jan., 2025** at 10.30 a.m. There to enter their objections and it is here by declared that if no sufficient objections is offered on or before the date mentioned above, the Court will forthwith proceed to receive proof of the said Applicants right and to grant them, provided they shall appear entitled thereto a Certificate on succession of the said deceased.

Given under my hand and the seal of the court, this day of **12th day of Dec., 2024.**

Seal
By order of the Court
Asstt. Supdt. (T.W.)
Court of Civil Judge Sr.Dn. Nagpur.

Prasanna Publicity 09326927622

ग्रामीण पाणी पुरवठा विभाग
जिल्हा परिषद, नागपुर

तालुका बीज गूणन प्रक्षेत्र तथा कृषी चिकीत्सालय ता. नरखेड

जा.क्र. जिपना/ग्रापापुवि/5775/2024 दिनांक:- 19/12/2024

ई निविदा सुचना क्र. १५ (प्रथम वेळ)

तालुका बीज गूणन प्रक्षेत्र तथा कृषी चिकीत्सालय ता. नरखेड य ०१ कामांची ई-निविदा ग्रापापुवि, जि.प. नागपुर कडुन प्रसिध्द करण्यात आलेली आहे. सदर ई-निविदा WWW.MAHATENDERS.GOV.IN या बेब साईट वर उपलब्ध आहे.

दिनांक :-

स्वा/-
कार्यकारी अभियंता
ग्रापापुवि, जि.प. नागपुर

सुविचार

गुणों के बल पर ही व्यक्ति सफल हो सकता है, लेकिन विनम्रता और विवेक साथ हो तो वह शिखर तक पहुंच सकता है.

संपादकीय

'वन नेशन-वन इलेक्शन' को लेकर सरकार की मंशा

❐ एक राष्ट्र एक चुनाव मौजूदा केंद्र सरकार का महत्त्वाकांक्षी विचार है। यह नारा उसने अपने पिछले कार्यकाल में ही दिया था। मगर इसे लेकर विरोध शुरू हो गया और विपक्षी दलों ने न केवल इसे अव्यावहारिक, बल्कि असंवैधानिक भी करार दिया था। सरकार ने इस पर विचार और सुझाव के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अगुआई में एक समिति गठित कर दी। उस समिति के गठन पर भी सवाल उठे कि उसके सदस्यों के पास अपेक्षित योग्यता नहीं है। मगर समिति ने विभिन्न दलों से बातचीत की, जिसमें से अनेक दलों ने इस विचार का विरोध किया था, फिर भी समिति ने सुझाव दिया कि देश में सभी चुनाव एक साथ कराए जाने चाहिए।

इसके पीछे बड़ा तर्क है कि लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव अलग-अलग समय पर कराए जाने से धन और समय की काफी बर्बादी होती है। इस तर्क को खारिज करने के लिए भी अनेक उदाहरण और तर्क पेश किए गए। मगर सरकार ने इससे संबंधित दो विधेयक संसद में पेश कर दिए। एक विधेयक एक राष्ट्र एक चुनाव को लेकर था और दूसरा केंद्र और तीन केंद्र शासित प्रदेशों के चुनाव एक साथ कराने के लिए संविधान में संशोधन से संबंधित था।

संविधान संशोधन के लिए संसद के दोनों सदनों में सत्तापक्ष को दो तिहाई बहुमत की जरूरत थी। वह नहीं मिल पाया और स्वाभाविक रूप से दोनों विधेयक पारित नहीं हो सके। अब सरकार ने इन विधेयकों को संयुक्त संसदीय समिति के पास समीक्षा के लिए भेजने का फैसला किया है। निस्संदेह यह संवैधानिक दृष्टि से संवेदनशील मुद्दा है और इसे आनन-फानन पारित करा लेने से आने वाले वक्त में कई तरह की जटिलताओं का सामना करना पड़ सकता है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि अलग-अलग चुनाव होने से न केवल खर्च कुछ अधिक होता है, बल्कि निर्वाचन आयोग और सरकार के कामकाज में भी बाधाएं आती हैं। मगर ऐसा करने के लिए जिन सरकारों का कार्यकाल बढ़ाना या घटाना पड़ेगा, उससे संवैधानिक मूल्यों को ठेस पहुंचने का खतरा रहेगा ही।

फिर, यह भी कोई गारंटी नहीं कि कहीं मध्यावधि चुनाव की नौबत नहीं आएगी। उस स्थिति में कब तक सरकार का काम मुल्तवी रखा जाएगा। ऐसी स्थिति में राष्ट्रपति शासन के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में लंबे समय तक किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू किए रखना अच्छी बात नहीं होती।एक राष्ट्र एक चुनाव संबंधी विधेयक संयुक्त संसदीय समिति को सौंपने का फैसला उचित है। मगर इसके बावजूद यह अपेक्षा बनी रहेगी कि समिति के समक्ष निष्पक्ष तरीके से बहसें हों, तर्क और सुझाव रखे जाएं। सरकार उन सुझावों को उदारतापूर्वक स्वीकार करे। क्योंकि पिछले कुछ समय से संयुक्त संसदीय समिति के सामने रखे गए कुछ मामले विवादों में देखे गए हैं। उन पर हुई बहसें सवालों के घेरे में रही हैं, विपक्षी सदस्य उन पर सत्तापक्ष की मनमानियों के आरोप लगा कर खुद को अलग करते देखे गए हैं।

युसीसी पर नीतीश-नायडू भी अमित शाह की बात मानेंगे क्या?

मृगांक शेखर

❐ युसीसी यानी समान नागरिक संहिता को देश के 14 राज्यों में लागू किया जाना पक्का हो गया है. अमित शाह ने साफ कर दिया है कि उत्तराखंड की तरह ही सारे बीजेपी शासित राज्यों में यूसीसी लागू होकर रहेगा. लेकिन, उन राज्यों में क्या होगा, जहां एनडीए की सरकार है. देश में ऐसे 6 राज्य हैं जहां एनडीए का शासन हैं, जहां नीतीश कुमार और एन. चंद्रबाबू नायडू जैसे गैर-बीजेपी मुख्यमंत्री हैं. केंद्र की एनडीए सरकार नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू के समर्थन पर ही टिकी हुई है, और समान नागरिक संहिता ऐसा मुद्दा है जिस पर जेडीयू और टीडीपी के लगभग एक जैसी ही विचार हैं. यूसीसी बरसों से बीजेपी के एजेंडे और चुनाव घोषणा पत्र का हिस्सा रहा है. लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान बीजेपी के घोषणा पत्र में कहा गया था, जब तक भारत समान नागरिक संहिता नहीं अपनाता, तब तक लैंगिक समानता नहीं हो सकती. आम चुनाव के नतीजे आने के बाद भी ये सवाल उठा था. खासकर नीतीश कुमार और नायडू के रुख को लेकर. लेकिन एक इंटरव्यू में अमित शाह ने कहा था, 'पांच साल पर्याप्त समय है' इसे लागू करने के लिए. स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 15 अगस्त, 2024 को लाल किले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी यूसीसी का जोर देकर जिक्र किया था. कहा था, हमारे देश में सुप्रीम कोर्ट ने बार-बार यूसीसी की चर्चा की है. अनेक बार आदेश दिये हैं. क्योंकि, देश का एक बहुत बड़ा वर्ग मानता है कि जिस सिविल कोड को लेकर हम जी रहे हैं, वो सचमुच में एक कम्युनल और भेदभाव करने वाला है.मोदी का कहना था, जो कानून धर्म के आधार पर बांटते हैं.ऊंच-नीच का कारण बन जाते हैं. उन कानूनों का आधुनिक समाज में कोई स्थान नहीं हो सकता.अब देश की मांग है कि देश में सेकुलर सिविल कोड हो.

उससे पहले भी मोदी ने एक रैली में अपने तरीके से समझाने की कोशिश की थी, परिवार के एक सदस्य के लिए एक नियम हो, दूसरे सदस्य के लिए दूसरा नियम हो तो क्या वो घर चल पाएगा? ऐसी दोहरी व्यवस्था से देश कैसे चल पाएगा?राज्यसभा के भाषण से पहले भी यूसीसी को लेकर अमित शाह का कहना था, हमने उत्तराखंड में एक प्रयोग किया है. जहां हमारी बहुमत वाली सरकार है. क्योंकि ये केंद्र के साथ-साथ राज्यों से जुड़ा विषय भी है... मेरा मानना है कि समान नागरिक संहिता एक बड़ा सामाजिक, कानूनी और धार्मिक सुधार है.

बाल कलम

आलसी

सार्थक देवांगन

❐ आलस एक बीमारी है जो किसी भी आदमी को आगे बढ़ने नहीं देता। यूं तो दुनिया में सभी लोग आलसी नहीं होते। लेकिन कुछ लोग अपना छोटा भी काम नहीं करते। जैसे एक आफिस के बॉस को सिर्फ चिल्लाना आता है, और दूसरों से काम करवाना। वो खुद भी तो अपना छोटा सा काम बहुत आसानी से कर सकते है लेकिन वो नहीं करना चाहते। सिर्फ ए.सी. और कूलर में बैठे बैठे आदेश देते रहते हैं। मेरे एक भैया जो कॉलेज में पढाते हैं। वो शाम को छह बजे घर वापस आते है और धम्म से सोफा पर बैठ जाते हैं, और चिल्लाने लगते हैं कि, मुझे कुछ खाने का दो और जब सब लोग अपना अपना काम करते रहते हैं , तभी ज्यादा ही चिल्लाते हैं। एक बार की बात है, जब घर में कोई भी नहीं था।

वे कालेज से आए। उन्होंने देखा कि, घर पर कोई नहीं हैं। उन्हें बहुत जोरों की भूख लग रही थी। उन्होंने सोंचा, मैं क्या करूं मुझे जोर की भूख लग रही है और घर पर भी कोई नहीं है। उन्हें बहुत गुस्सा आ रहा था। फिर होटल से ब्रेड पकौड़ा मंगा लिए और उसे खाने लगे। पर वो घर में कुछ बना भी तो सकते थे, लेकिन उन्होंने नहीं बनाया। वह सिर्फ कूलर के आगे बैठे रहे। कुछ काम भी नहीं किया। उनकी मां ने रसोई घर में गैस पाटा पर एक चिट लिखकर छोड़ा था कि, पीने का पानी भर देना और कूलर में भी पानी डाल देना, घर के बोर का पम्प खराब हो गया है इसलिये नगर निगम के नल के पानी का इस्तेमाल करना। उनकी मां ने सोचा था कि भैया किचन में खाने के लिए कुछ बनाने आयंगे ही, और कुछ नहीं तो चाय ही पियेंगे परंतु, वे किचन में गए ही नहीं। इसलिये चिट पढ़ा ही नहीं। जब वो सब रात को आए तो उन्होंने देखा, ना तो पीने के लिए पानी है, न तो नहाने के लिए बाथरूम में और कूलर तक में भी पानी नहीं है। उन्हें रात भर गर्मी में सोना पड़ा। क्योंकि नगर निगम का नल केवल आधा घंटा ही आता था। पानी स्टोर ही नहीं हुआ था। सुबह, न तो नहाने के लिए , न ही पीने के लिए पानी था। उस दिन उनके कालेज में बहुत बड़ा फंक्शन था, जिसके प्रमुख मेरे वही भइया थे। जैसे तैसे तैयार होकर बिना नहाये, बिना कुछ खाये घर से कालेज के लिये निकलना पड़ा। सुबह सुबह सारे लोगों से डांट भी सुना वो अलग। अपने आलसीपन के कारण सुबह मूड खराब हुआ। कालेज में भी उनके ग्रुप का परफार्मेंस इसी कारण से बिगड़ते बिगड़ते बचा। मेरा सगा भाई भी बहुत आलसी है। उसको कुछ भी काम कहा जाता है तो वह हां तो कहेगा लेकिन , कुछ करता ही नहीं। मेरी मम्मी जब उसे कुछ भी समान लाने के लिए बोलती है, तो वह जाता ही नहीं , सिर्फ मोबाइल में गेम खेलते रहता है और खाते रहता है। वह, दूसरे को देख कर आलसी बनता जा रहा है। सिर्फ अपने आलस के कारण वह बैडमिंटन के प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया, जबकि वह बहुत अच्छा खिलाड़ी है। वह जिसे आसानी से हरा देता है , वही हमारे स्कूल का बैडमिंटन चैम्पियन हो गया है। उसे उसके आलसीपन की यह बड़ी सजा मिल चुकी है। मेरा एक मित्र है वो भी एक नम्बर का आलसी है। वह कुछ काम नहीं करता।

उसे कक्षा में , कुछ करने के लिए कहा जाता है तो करता ही नहीं है। उसे कुछ लाने के लिए कहते थे तो वह लाता ही नहीं था। एक बार हम , एक ग्रुप प्रयोजना बना रहे थे। उसे हम जो भी काम कहते थे , वह करता ही नहीं था। जब हम बनाते रहते थे तब वह खेलता रहता था , और कुछ चीज लाने के लिए कहते थे , तो नहीं लाता था। इसलिए हमने उसका नाम अपने ग्रुप से काट दिया। वह रोने लगा और वह हमे बार बार बोलने लगा कि , तुम लोग अब मुझे जो काम दोगे मैं करूंगा । मुझे ग्रुप से मत निकालो। हमने कहा कि , तुम कुछ काम तो करते नहीं हो , सिर्फ खेलते रहते हो और हम लोगों को भी काम नहीं करने देते इसलिए , हमने तुम्हें निकाल दिया. अब हमेशा काम में साथ देने का वादा करने पर , हमने उसे वापस रख लिया। वह दो दिन तक काम करता रहा। फिर तीसरे दिन जब आया तो एक घंटा काम करते ही वह कहने लगा कि, मैं थक गया हूं। मैं घर जा रहा हूं। कल आउंगा। वह चला गया। अगले दिन से वह किसी भी दिन नहीं आया। उसे लगा कि , उसका नाम अब भी होगा। जब हम प्रयोजना जमा करने गये वह भी हमारे ही साथ साथ गया। परंतु हमने न उसे नाम कटने के बारे में बताया , न उसने हमसे पूछा। चार दिन बाद , प्रयोजना का परिणाम आ गया। हमारा ग्रुप पूरे स्कूल में दूसरे स्थान पर रहा। प्राइज सेरेमनी के समय वह आलसी लडका भी हमारे साथ स्टेज तक चला गया। परंतु प्राइज के लिए केवल हम तीन लोगों का नाम था। उसे प्राइज नहीं मिला। उसको स्टेज में अकारण आने पर डांट भी मिली। उसे , नीचे उतरने पर पता चला कि उसे प्राइज क्यों नहीं मिला। तब हमने उसे बताया कि , मैडम ने उसका नाम कटवाया था , क्योंकि उन्होंने उसको काम करते हुए नहीं देखा था। उसे सबक सिखाने के लिये ही उसका नाम हटाया गया था। आज उसे अपनी गलती का एहसास हो रहा था कि ,उसकी आलस की वजह से उसे उसका पुरस्कार नहीं मिला। उसके बाद उसने कभी भी आलस नहीं दिखाई।

लघुकथा

एस. के. पाण्डेय

पागल मालिनी

❐ एक मालिनी थी। उसने एक ऐसा पौधा रोपा था जो उसके जीवन का अहम हिस्सा बन गया था। मानों वह पौधा, पौधा न होकर उसी के शरीर का एक अंग था। हमेशा उसी के देख-रेख में लगी रहती थी। जब हवा के बहुत तेज झोके चलने लगते थे तो वह उसे पकड़कर बैठ जाती थी। उसे डर था कि कहीं हवा के तेज झोंके उसे तोड़कर उड़ा न ले जाए।कहीं कोई पशु उसे अपना ग्रास न बना ले। इस डर से उसने बाड़ लगा रखा था। रोज बाड़ में कुछ न कुछ सुधार किया करती थी। जब पानी नहीं मिलता था तो वह उसे अपनी आसुओं से सीचती थी। खुद प्यासी रहकर पौधे को सीचा करती थी। तेज धूप में पौधा झुलस न जाये। इस डर से जेठ की दुपहरी में अपने आँचल की छाया करके खड़ी रहती थी। दुआए मागती रहती थी। उसका पूरा जीवन उसी पौधे को समर्पित था। वह सोचती थी कि जब यह बड़ा वृक्ष बन जायेगा तो इसकी छाया में मैं अपनी जिंदिगी हसी-खुशी गुजार दूगी।समय गुजरते देर नहीं लगती। देखते-देखते पच्चीस वर्ष बीत गए। पौधा वृक्ष बन गया। उसकी घनी छाया हो गई। फल आने लगे। मालिनी की खुशी का ठिकाना न रहा। लेकिन कुछ समय बाद वहा एक ऐसी मालन आई। जिसने धीरे-धीरे वृक्ष को अपना लिया। बोली यह मेरा है। इस पर मेरा तुझसे ज्यादा अधिकार है। और मालिनी को वृक्ष की छाया से भी बंचित कर दिया। मालिनी पागल हो गई। लोग आज भी पागल मालिनी की कहानी कहते और सुनते हैं। लेकिन उसके पागलपन व दर्द को कोई विरला ही समझता है।

कथा

राज जोशी

एक अनार सौ बीमार

❍ कई सालों पहले नाथद्वारा मंदिर के गुसाइजी महाराज ने सोचा कि, 'श्री कृष्ण के भक्तों की संख्या बहुत है, इन भक्तों में बेचारे भीलों को प्रसादी कभी मिलती नहीं। अत: हमें उनको प्रसाद वितरण ज़रूर करना चाहिए।' इस तरह उन्होंने दीपावली के दूसरे दिन का समय तय किया और भील-समाज में घोषणा करवा दी कि, 'इस दिन सभी भीलों को महाप्रसाद वितरित किया जाएगा।' इस तरह उन्होंने इस महाप्रसाद को 'अंकुट' का नाम दिया। जिसमें मीठे चावलों का भोग रखा गया। निर्धारित समय पर गुसाइजी महाराज ने मंदिर के चौक में बड़े-बड़े भगोलों में मीठे चावल का महाप्रसाद रखवा दिया, फिर उन्होंने अपने सेवादारों को इन लोगों को प्रसाद वितरण करने का हुक्म दे डाला। बेचारे सेवादार कब-तक महाप्रसाद वितरण करते..? यहा तो इन भीलों की तादाद कम होने के बजाय बढ़ती ही जा रही थी। यह तो मामला ऐसा रहा, जैसे किसी गाँव में कोई महामारी फ़ैल गयी हो, और इन रोगियों के इलाज़ के लिए वहां एक-मात्र डॉक्टर हो। बस, यही हाल वहां रहा..बांटने वाले कम और प्रसाद लेने वाले टिड्डी-दल की तरह। राम-राम करके उन वितरण करने वालों ने यह प्रसाद बांटने का काम निपटाया। बाद में सभी सेवादार हाथ जोड़कर गुसाईजी महाराज के सामने खड़े होकर कहने लगे "महाराज। अब बस करें, अब आगे से यह प्रसाद वितरण वाला काम हमसे न होगा।" तब पास खड़ा भीलों का सरदार हसता हुआ बोल उठा "वाह भाई, वाह। आपके लिए तो यह काम 'एक अनार सौ बीमार' वाली बात हो गयी। अब आप ऐसा कीजियेगा, आगे से महाप्रसादी का चावल बड़े-बड़े भागोलों में डालकर इसी चौक में रखाव देना, हम-सब मिलकर प्रसाद को लुट लेंगे। आप फ़िक्र न करें, एक चावल का दाना आपको ज़मीन पर पड़ा नहीं मिलेगा।"भीलों के सरदार की बात मान ली गयी, तब से दीपावली के दूसरे दिन तड़के महाप्रसादी के चावल चौक में रख दिए जाते हैं, और अचरज की एक ही बात रहती है न मालूम कहा से हज़ारों की संख्या में भील वहां आकर उस प्रसाद को लुट लेते हैं और चावल का एक भी दाना ज़मीन पर वे नहीं गिरने नहीं देते। आज़ शहर में रहने वाले भक्त प्रसाद को जूठा छोड़ देते हैं मगर जंगलों में रहने वाले श्री कृष्ण के भील भगतों के लिए प्रसाद का एक-एक दाना उनकी श्रद्धा का प्रतीक बन जाता है। यानी, वे एक दाना ज़मीन पर न गिराकर प्रसाद का अनादर नहीं करते।

संपर्क

❍ रूपलाल मोबाइल फोन नहीं रखता था। उसे पंसद नहीं था कि लोग उससे हर वक्त बात करें। हर समय प्रत्येक के साथ उसका संपर्क बना रहे यह उसे अच्छा नहीं लगता था। स्पलाल की पत्नी रूबिया अपने पति को कहा करती थी कि आप जब ऑफिस में रहते है और आपको आने में देर होती है तो मेरा मन भी मोबाइल फोन के जरिए आपसे बात करने को करता है इसलिए आप फोन ले लीजिए। रूबिया पर रूपलाल के मित्रगण, पास-पड़ोस वाले काफी दवाब बना रखा था मोबाइल फोन रखने के लिए। रूबिया जानती थी कि मित्रगण और पास-पड़ोस के लोगों के दवाब में उसका पति फोन खरीदने वाला नहीं अगर भावनात्मक रूप से उसे समझाया जाए तो शायद फोन उसका पति खरीद ले। रूपलाल अपनी पत्नी को समझाता था कि पहले भी लोग रहते थे, कहां था सभी के पास मोबाइल फोन? वह मजकिया अंदाज में कहता मान लो रूबिया कि मेरे आने में देर हो रही हो और तुमने फोन लगाया लेकिन मुझसे बात नहीं हो सकी तब तो तुम्हारी हालत और खराब हो जाएगी।

कई तरह के बुरे ख्याल आने लगेंगे। रूबिया कहती वो तो है पर अगर फोन करूंगी तो आप क्यों नहीं बात करेंगे? उसके कई कारण हो सकते है जिसे जानना तुम्हारे लिए जरूरी नहीं है। रूपलाल के मित्र, कुलिग, पुत्र, पुत्रियां सभी मोबाइल फोन नहीं रहने की वजह से काफी परेशान थे। रूपलाल का मित्र संजय एक दिन कहने लगा कि यार रूपलाल तुम भी अजब करते हो आज के मोबाइल ऐज में मुझे नहीं लगता कि ऐसा कोई व्यक्ति भी होगा जो मोबाइल फोन नहीं रखता हो। रूपलाल समझाने के लहजे में अपने मित्र संजय को कहने लगा कि यार जब मोबाइल फोन का प्रचलन नहीं था तब भी तो लोग आसानी से एक दूसरे के संपर्क में रहते थे। चूंकि सभी के पास मोबाइल फोन है इसलिए मुझे भी मोबाइल फोन रखना चाहिए यह कोई तर्क नहीं हुआ।

डॉ. एम.ए.रशीद, नागपूर

शुक्रवार स्पेशल

भाग (69)

इस्लाम में पड़ोसियों का स्थान, पड़ोसियों के भवन से अपने भवन को ऊंचा न उठाओ

मुस्लिम समुदाय को पड़ोसियों के साथ अच्छे व्यवहार करने से सुखी और शांतिपूर्ण समाज की कल्पना संभव हो सकती है

❍ इंसान का अपने माता-पिता, अपने बच्चों तथा करीबी रिश्तेदारों के अलावा हर समय सबसे ज़्यादा संपर्क व संबंध होता है, उनके अपने पड़ोसियों से! पड़ोसियों से मिलना-जुलना, व्यवहार करना तथा उनके सुख-दुख में शामिल होना नित्य प्रतिदिन का काम होता है। पैग़ंबर हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम ने पड़ोसी के रिश्ते को बहुत महत्व दिया है। उसके आदर, सम्मान और निगरानी पर ज़ोर देते हुए उसको ईमान का हिस्सा बताया है और स्वर्ग में प्रवेश के लिए एक शर्त और अल्लाह और उसके रसूल की मुहब्बत का मियार करार दिया है।

बुख़ारी और मुस्लिम हदीस ग्रंथों में है कि हज़रत आइशा रज़ि और हज़रत अब्दुल्लाह बिन उमर रज़ि दोनों से रिवायत है कि हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम ने फ़रमाया कि "जिब्रील अमीन हमेशा मुझे पड़ोसी की रियायत और मदद पर इतना ज़ोर देते रहे कि मुझे यह अनुमान होने लगा कि शायद पड़ोसियों को भी रिश्तेदारों की तरह विरासत में शरीक कर दिया जाएगा"। इस्लाम पड़ोसियों के लिए सुख का साधन है, वह केवल इतना ही नहीं चाहता कि पड़ोसी को किसी प्रकार का कष्ट न पहुँचे, बल्कि वह यह भी चाहता है कि पड़ोसी की आर्थिक, नैतिक, हर प्रकार की सहायता की जाए और उसके साथ अत्यंत शालीनता का व्यवहार अपनाया जाए ताकि समाज का हर व्यक्ति उसके साथ अत्यंत शालीनता के साथ जीवन बिता सके।

इस प्रकार नैतिक व्यवहार से पड़ोसी को यह विश्वास हो जाना चाहिए कि वह शुभचिंतक लोगों के बीच रह रहा है, उनसे उसे कभी भी कोई कष्ट नहीं पहुंचेगा, वह किसी भी विपत्ति के समय उसकी सहायता के लिए जो उचित होगा वह करेंगे और वे उसके दुख दर्द में भाईयों की तरह काम आएंगे।

इस मामले में इस्लाम की शिक्षाओं की महत्ता का अनुमान इन हदीसों से लगाया जा सकता है कि जिसमें अबू सईद खुज़ाई रज़ि. कहते हैं कि अल्लाह के रसूल सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम ने तीन बार फ़रमाया कि "ख़ुदा की क़सम! वह व्यक्ति मोमिन नहीं। ख़ुदा की क़सम! वह व्यक्ति मोमिन नहीं। ख़ुदा की क़सम! वह व्यक्ति मोमिन नहीं।" पूछा गया कि'कौन?' आप सअव ने फ़रमाया कि "वह व्यक्ति जिसके कष्टदायक कामों से उसका पड़ोसी सुरक्षित न हो। (बुख़ारी, मुस्लिम) इस हदीस में पड़ोसी को कष्ट पहुंचाने और दुख देने को ईमान के विरुद्ध ठहराया गया है। एक अन्य हदीस में हज़रत अब्दुल्लाह बिन अब्बास रज़ि कहते हैं कि मैंने अल्लाह के रसूल सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम को फ़रमाते सुना कि "वह व्यक्ति मोमिन नहीं है जो स्वयं तो पेट भरकर खाए और उसका पड़ोसी उसके निकट ही भूखा पड़ा रहे।" (मिशकात, बैहक़ी) इससे पता चलता है कि ईमान की पहचान ही यह है कि इंसान का पड़ोसी उसकी वजह से शान्ति का अनुभव करे और वह उसके दुख-दर्द और कठिनाइयों में काम आए। इन हदीसों से सिद्ध होता है कि मुस्लिम समुदाय को पड़ोसियों के साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए।इस संबंध में पवित्र क़ुरआन की सूरा निसा की पंक्ति क्र 36 में पड़ोसियों की सेवा और उनके साथ अच्छा व्यवहार करने की हिदायत दी गई है कि "नातेदार पड़ोसियों, अजनबी पड़ोसियों और पास बैठनेवालों के साथ अच्छा व्यवहार करो।"

(पवित्र क़ुरआन 4:36) इस्लाम ने पड़ोसियों के तीन प्रकार बताए हैं। एक वह जो पड़ोसी होने के साथ नातेदार भी है, दूसरा वह जो केवल पड़ोसी है और तीसरा वह जिसका पड़ोसी का आप पर यह अधिकार है कि यदि पड़ोसी किसी बीमारी से पीड़ित हो जाए तो उसकी इयादत करो (हालचाल पूछने और ढारस देने के लिए उसके पास जाना), यदि उसकी मृत्यु हो जाए तो उसके अंतिम संस्कार (जनाज़े) में शामिल हो और यदि किसी आवश्यकता आदि से क़र्ज़ मांगे उसको क़र्ज़ दो और यदि कोई बुरा काम कर बैठे तो उसके दोष छुपाओ और यदि उसको कोई नेमत (ईश्वरीय दान, उपहार) मिले तो उसे बधाई दो यदि किसी विपत्ति से ग्रस्त हो जाए तो सांत्वना व्यक्त करो और अपने भवन को उसके भवन से इतना ऊंचा न उठाओ कि उसके घर की हवा अवरुद्ध हो जाए और तुम्हारे हांडी (पकवान) की ख़ुशबू उसके लिए कष्ट का कारण बन जाए और उसमें से थोड़ी सी करी उसे भी भेज दो यानी अगर घर में कुछ स्वादिष्ट और ज़ायकेदार व्यंजन बने उस स्थिति में या तो उसके घर भी थोड़ी सी करी पहुंचवाओ या फिर उसकी महक, ख़ुशबू पड़ोस के घर तक न जाए। इस संबंध में हम सभी को अर्थात मुस्लिम समुदाय को अपनी सोच और विचार का दायरा बढ़ाना चाहिए। अपने दिल और दिमाग से उन विभिन्न बातें और हिदायतों पर ध्यान दे कर अमल करना चाहिए जिन्हें पैग़म्बरे इस्लाम हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम ने फ़रमाया है। आप सअव ने कितनी सूक्ष्मता से पड़ोस में रहने वाले लोगों को पड़ोसियों के घर की दीवार से अपने घर की दीवार इतनी ऊंची करने की चेतावनी दी है कि उससे कहीं पड़ोसी की हवा बंद न हो जाए। वर्तमान समय में ऊंचे भवन और इमारतें सूर्य प्रकाश में रुकावट पैदा कर रहे हैं।

आज इन बातों की घोर अनियमितताएं बरती जा रही हैं कि लोगों को सुबह का सूर्य प्रकाश भी नसीब नहीं हो पा रहा है। ऊंची इमारतों से मकान मेरा घिर गया, कुछ लोग मेरे हिस्से का सूरज भी खा गए। जब कभी हमारे घरों में उत्तम स्वादिष्ट भोजन बनता है तो उसकी ख़ुशबू से पड़ोसी और उनके बच्चों के मन में चाहत पैदा हो जाएगी, जो श पीड़ा का कारण बनती है। मुस्लिम समुदाय को चाहिए कि ऐसी दशाओं में सहृदय उन तक व्यंजन पहुंचाने की व्यवस्था की जानी चाहिए ताकि पड़ोसियों के हक भलीभांति अदा हो सकें। पैग़ंबर हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम की इन शिक्षाओं और निर्देशों से हम समझ सकते हैं कि पड़ोसियों के प्रति अच्छे व्यवहारों का क्या स्थान और मर्तबा है।

लेकिन आश्चर्य कि हम मुस्लिम समुदाय पैग़म्बरे इस्लाम हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम का दम भरनेवाले, हमारी ज़िन्दगी, व्यवहार और हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम के आदेशों में इतना अंतर आ गया कि एक अनजान व्यक्ति के लिए यह विश्वास करना मुश्किल है कि यह शिक्षा और मार्गदर्शन पैगंबर हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम ने आज से लगभग 1450 वर्ष पूर्व दी हैं। यह विचारणीय पहलू है कि हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम के उपरोक्त धन्य कथनों में अपने पड़ोसियों की भूख और प्यास की समस्याओं और उनकी अन्य ज़रूरतों की चिंता किए बिना रहने वालों के लिए कितनी सख़्त धमकी सुनाई है। यदि मुस्लिम समुदाय इन पहलुओं को अमली जामा पहनाएं तो अल्लाह ईश्वर की इच्छा से दुनिया जिस सुखी और शांतिपूर्ण समाज की कल्पना और तलाश कर रही है, वह सब कुछ संभव हो जाएगा।

कहानी

शालिनी मुखरैया

सबक

❍ रामदीन ,यह सारा सामान कार के पीछे वाली सीट पर रख देना" गुप्ता जी ने अपने ड्राइवर को आदेश दिया। इस बार तो गुप्ता जी मानो पूरा बाज़ार ही खरीद लाए थे। लाए भी क्यो ना, जबसे उनकी मलाईदार विभाग मे पोस्टिंग हुई थी तबसे मानो उनकी चादी हो गयी थी , जम कर लक्ष्मी की वर्षा हो रही थी। पूरे विभाग मे सबको पता था कि गुप्ता जी जम कर कमाई कर रहे है इसलिये पीठ पीछे चर्चाए चल रही थी ,सामने तो कोई मुह खोलता ना था। मगर गुप्ताजी भी जान कर अनजान बने रहते थे। कोयले की दलाली मे हाथ काले होने से आज तक कोई बचा है क्या भला ? और फिर जब देने वाला मेहरबान हो भला हमे लेने से क्या परहेज़। गुप्ता जी कभी अपनी ईमानदारी के लिये जाने जाते थे ,मगर आती हुयी लक्ष्मी अच्छे अच्छो का ईमान बदल देती है। कभी कभी गुप्ता जी के मन मे ख्याल आता भी तो वह उसे परे झटक देते थे। बाबूजी दीये ले लीजिये,बस बीस रुपये के पचास ह " एक मैले कुचैले कपड़े पहने लड़के ने उनकी विचारो की श्रख्ला को विराम दिया। चल हट , कही और जा कर दे इन्हे", गुप्ता जी ने घृणा भरे स्वर मे उसे झड्प दिया। ले लीजिये न बाबूजी "लड़के का गिड़गिड़ाता हुआ स्वर था।आप जैसे साहब हमारे दीये खरीद लेगे तो हमारी भी दीवाली मन जायेगी" गुप्ता जी के मन मे भी कुछ उत्सुकता जाग उठी तो पूछ बैठे " अच्छा कितने के दीये बेच दिये तुमने" साहब, पूरे 500/- के अब तक बेच चुका हू, कुछ और बिक जायेगे तो 50 रु के पटाखे भी ले आऊगा"उस लड़के ने उत्साह मे अपने सारे खर्चो का हिसाब गुप्ता जी को समझा दिया।

कितनी उमग थी उसके मन में, इतने कम रुपयो मे भी उसने इस त्यौहार को मनाने का पूरा इंतज़ाम अपने मन मे सोच रखा था। गुप्ता जी मन ही मन हैरान थे कि लोग किस तरह से अभावो मे भी खुशियो का साधन निकाल ही लेते है।अच्छा ये लो 100 रु, इसके पटाखे खरीद लेना" गुप्ता जी ने एक नोट उस लड़के की ओर बढ़ाया। शायद उनके भीतर का इंसान जाग उठा था।"साहब कितने दीये दू"उस लड़के ने अपने सारे दीयो का हिसाब करना शुरू कर दिया। एक साथ तो किसी ने इतने रुपयो के दीये लिये ही नही थे। उसकी बौखलाहट उसके चेहरे पर स्पष्ट देखी जा सकती थी। नही मुझे दीये नही चाहिये, मुझे इनकी जरूरत नही है "गुप्ता जी का स्वर था। तो साहब फिर मै पैसे नही ले सकता "उस मैले कुचैले कपड़े पहने लड़के ने गुप्ता जी को वह सौ का नोट लौटा दिया। गुप्ता जी अवाक थे कि ऐसा भी कोई करता है भला,आती हुई लक्ष्मी को जाने देता है !!! निरा बेवकूफ है ये लड़का , आखिर क्या बात है " गुप्ता जी अपने मन मे बुदबुदाये।

नही साहब,मै ईमानदारी से कमाये पैसे से ही दीवाली का त्योहार मनाना चाहता हू, एक दिन ऐसा भी आयेगा जब हमारे भी दिन फिरेगे" यह कह कर वह लड़का मुड़ कर चला गया। गुप्ता को ऐसा महसूस हुआ कि किसी ने भरे बाज़ार मे उनके मुह पर तमाचा मार दिया हो।

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक: फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादक: इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
नागपुर, शुक्रवार, 20 दिसंबर 2024

जिला चंद्रपुर-गढ़चिरोली

बिना हेल्मेट दुपहिया चलानेवालों पर यातायात विभाग की कार्रवाई

चंद्रपुर. जिले में दुपहिया वाहन चालकों से जुड़ी दुर्घटनाओं की संख्या बढ़ रही है और मरने वाले कई दुपहिया वाहन चालकों ने हेलमेट नहीं पहनने से उनकी मौत होन की जानकारी सामने आ रही है. मोटर वाहन अधिनियम 1988 की धारा 129 के तहत दोपहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट पहनना अनिवार्य है. जनवरी से नवंबर 2024 तक जिले में कुल 384 दोपहिया वाहन दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 194 नागरिकों की मौत हुई. इनमें से 166 दोपहिया वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हो गए.

हेलमेट को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त नीति अपनाई है और दुर्घटनाओं में मृत्यु दर को कम करने के उद्देश्य से चंद्रपुर पुलिस बल हेलमेट नहीं पहनने वाले दोपहिया वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है.

10 से 17 दिसंबर 2024 तक यातायात नियंत्रण शाखा चंद्रपुर और सभी पुलिस स्टेशनों ने हेलमेट को लेकर विशेष अभियान चलाया और बिना हेलमेट के 4,300 दोपहिया वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की. इसमें यातायात नियंत्रण शाखा द्वारा 3,493 तथा थाना पुलिस द्वारा 807 बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई है. 17 दिसंबर 2024 को परिवहन विभाग ने विसापुर में टोल बूथ के पास बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन चलाने वाले कुल 1 हजार 097 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की.

कई नागरिक बिना हेलमेट पहने बाइक चलाते हैं. इससे बड़ी संख्या में दुर्घटनाएं होती हैं. नागरिकों की सुरक्षा के लिए यह अभियान पूरे जिले में चलाया जा रहा है.

मोबाइल दुकान में सेंध, छह लाख का सामान चुराया

>भंगाराम तलोधी में हुई घटना, व्यापारी समुदाय में दहशत

चंद्रपुरः

रात का फायदा उठाकर चोरों ने टिन शेड में स्थित मोबाइल फोन की दुकान के पीछे सेंध लगाकर करीब छह लाख रुपये का माल पार कर दिया. यह घटना बुधवार (18 तारीख) को भंगाराम तलोधी में सामने आई.

नितिन रामटेके और सचिन रामटेके नामक भाइयों की गोंडपिपरी तालुका के भंगाराम तलोधी स्थित मुख्य चौक पर मोबाइल फोन की दुकान है.

आज सुबह, जब कुछ नागरिक उस क्षेत्र में घूम रहे थे, तो उन्होंने दुकान के पिछले हिस्से में दुकान खुली दिखी. इसकी सूचना दुकान मालिक सचिन रामटेके को दी गई.जब सचिन दुकान पर पहुंचे तो वहां से 46 मोबाइल फोन गायब

थे. चोरों ने दुकान से एक लाख रुपये भी चुरा लिये. सचिन रामटेके ने मंगलवार को नागपुर से 47 नए मोबाइल फोन खरीदे. यह पूरे मोबाइल चोर ले उड़े. इस चोरी की घटना से ग्रामीण क्षेत्रों में भी भय का माहौल व्याप्त हो गया है.

रामटेके ने गोंडपिपरी पुलिस थाने में घटना की सूचना दी. इसके बाद गोंडपिपरी पुलिस मौके पर पहुंची. डॉग स्क्वायड को भी बुलाया गया. घटनास्थल पर उंगलियों के निशान लिये गये. इस बीच, दुकान में लगे सीसीटीवी को चेक किया गया तो इसमें एक व्यक्ति को सफेद पैंट और शर्ट पहने तथा चेहरे पर मास्क लगाये हुए दुकान में चोरी करते हुए देखा गया है. अब पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

पंद्रह दिन पहले पौने तीन लाख की लूट हुई

पंद्रह दिन पहले खरालपेठ के किसान अभय शेंडे ने 40 क्विंटल कपास बेचा था. इससे उन्हें पौने 3 लाख रुपये प्राप्त हुए. वह काम के लिए जिला मध्यवर्ती बैंक गया था। इस समय, दो अज्ञात लोगों ने उसकी बाइक का टायर पंचर कर दिया। शेंडे के बाहर आने के बाद, उसे पंचर का पता चला. उन्होंने गाड़ी की डिक्की में पैसे रखे और गाड़ी को मरम्मत के लिए एक दुकान पर ले गए, लेकिन कुछ ही देर में अज्ञात चोर डिक्की में रखे पौने 3 लाख रुपए लेकर गायब हो गए. घटना की सूचना पुलिस को दी गई। लेकिन अभी तक चोर पकड़े नहीं जा सके हैं. चोरी की बढ़ती घटनाओं से नागरिकों, किसानों और व्यापारियों में काफी भय पैदा हो गया है। नियमित पुलिस गश्त की मांग की जा रही है.

अंततः हमलावर बाघिन वन विभाग की पकड़ में

> बोरघाट जंगल के आसपास के गांवों में था बाघिन का आतंक

चंद्रपुरः

पोंभुर्णा वनपरिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले घोसरी उपक्षेत्र के पिपरी देशपांडे, देवडा बुज, जुनगांव गांवों के खेतों में बाघ के हमले का दौर शुरू है. वन विभाग ने मंगलवार (17 तारीख) को हमलावर बाघिन को पकड़ने में सफलता प्राप्त की.

इस बाघिन के हमले में कई लोग घायल हो गए थे. बाघ के हमले में कई पालतू जानवर भी मारे गए. लगातार हो रही घटनाओं से क्षेत्र के नागरिकों में हड़कंप मच गया है. नागरिकों और किसानों के बढ़ते आक्रोश को देखते हुए वन विभाग ने बाघिन को पकड़ने के लिए लाइव कैमरे, ट्रैप कैमरे, रैपिड रिस्पांस यूनिट और वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को तैनात किया. तीन दिनों तक बाघिन की गतिविधियों पर नजर रखी गई. आखिरकार हमलावर बाघिन को पकड़ लिया गया. मंगलवार शाम करीब छह बजे वन विभाग के जाल में फंस गयी. हमलावर बाघिन के जाल में फंसने पर क्षेत्रवासियों ने राहत की सांस ली.

पोंभूर्णा वन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले घोसरी उप-क्षेत्र के कुछ गांवों के पास बाघ सक्रिय हैं. साल के आखिरी महीने में बाघों के हमले काफी बढ़ गए हैं. एक सप्ताह के भीतर दो अलग-अलग गांवों में कपास चुनने गई एक महिला बाघ के हमले में गंभीर रूप से घायल हो गई। इस समय इस क्षेत्र में कपास की कटाई और धान की कटाई का मौसम चल रहा है. हालाँकि, बाघों के डर से कुछ स्थानों पर किसानों ने कपास की कटाई बंद कर दी थी. इसलिए नागरिकों ने बाघ पर नियंत्रण की मांग की थी. इसलिए बाघों के हमलों को रोकने के लिए वन विभाग की टीम को एक्शन मोड पर रखा गया है. घोसरी उपक्षेत्र के बाघ प्रभावित गांव में 35 जवान गश्त कर रहे हैं. बोरघाट जंगल के पास और खेतों के किनारों पर 3 लाइव कैमरे और 17 ट्रैप कैमरे लगाए गए हैं. पिपरी देशपांडे, ठाणे वासना मॉल क्षेत्र में 15 ट्रैप कैमरे लगाए गए थे. रैपिड रिस्पांस यूनिट तीन दिनों से निगरानी कर रही थी. इसके साथ ही सतर्कता बनाए रखने के लिए वन अधिकारी उन गांवों में गश्त कर रहे हैं जहां बाघ सक्रिय हैं. वन अधिकारी कुछ किसानों को कपास की कटाई के लिए सुरक्षा प्रदान करने के लिए काम कर रहे थे. अंततः वन विभाग को हमलावर बाघ का पता लगाने और उसे पकड़ने के प्रयास मंगलवार को सफल हो गए। वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की जान दांव पर लगी थी। इससे नागरिकों और किसानों ने राहत की सांस ली.

खेत के तालाब में दिखे दो मगरमच्छ; एक पकड़ा गया, दूसरा नहीं मिला

चामोर्शी.

मानसून के दौरान, वेनगंगा नदी बैराज से पानी के प्रवाह में बहकर आए दो मगरमच्छों ने देवडी में एक किसान के खेत पर बने तालाब में दिखाई दिए। जैसे ही किसान की नजर इस मामले पर पड़ी तो उन्होंने इसकी सूचना वन विभाग के अधिकारियों को दी. बाद में सोमवार, 16 दिसंबर को एक मगरमच्छ को पकड़ लिया गया; लेकिन दूसरे दिन भी दूसरा मगरमच्छ नहीं मिला.

देवडी के किसान महेश बारसागाडे के पास राष्ट्रीय राजमार्ग क्षेत्र में लगभग पांच एकड़ जमीन है। नेशनल हाईवे के काम के लिए खेत के कुछ हिस्से में मुरम की खुदाई की गई थी। इसलिए यहां बड़े-बड़े फार्म बनाए गए। क्षेत्र के कई किसानों के खेतों में इसी तरह के फार्म बनाए गए हैं। इस स्थान से वैनगंगा नदी कुछ ही दूरी पर है।

बरसात के मौसम में नदी

से मगरमच्छ के दो बच्चे उक्त फार्म में आ गए। दोनों कुछ दिनों से इलाके के एक तालाब में थे। इसके बाद उसने अपनी दिशा बदल ली और किसान महेश बारसागड़े के मुरम खेत में बने तालाब में अपना डेरा जमा लिया.

अगले दिन खोजें...

अगले दिन मंगलवार को भी मगरमच्छ को पकड़ने का प्रयास किया गया; लेकिन मगरमच्छ गहरे पानी में दूसरी ओर चले जाने के कारण पकड़ में नहीं आया. यह अभियान वन क्षेत्र पदाधिकारी एम. एक। तावड़े के मार्गदर्शन में जोगाना के फील्ड असिस्टेंट आर. पी। छापेमारी की कार्रवाई वनरक्षक प्रमोद तोडासे के साथ ही आरआरटी टीम ने की.

जैसे ही उसे पता चला कि उसके खेत में दो बच्चे मगरमच्छ हैं, बारसागड़े कुंघड़ा राय के पास गया। एम के वन परिक्षेत्र अधिकारी. एक। मगरमच्छ को पकड़ने के लिए तावड़े को आवेदन दिया गया था. फिर सोमवार को 7 किलो का मगरमच्छ कम पानी में जाल से फंसा; लेकिन दूसरा बड़ा मगरमच्छ गहरे पानी में चले जाने के कारण पकड़ में नहीं आया.

पूर्व सैनिकों के लिए पदस्थापना का अवसर

गढ़चिरोली – जिला सैनिक कल्याण प्रकोष्ठ, गढ़चिरौली पूर्व सैनिक श्रेणी से गैर-सरकारी, विशुद्ध रूप से अस्थायी अनुबंध के आधार पर मेस्को के माध्यम से कल्याण समन्वयक के पद को भरने की मांग कर रहा है।

जिला सैनिक कल्याण सेल अधिकारी, गढ़चिरौली से अनुरोध है कि जो पूर्व सैनिक उक्त पद के लिए इच्छुक हैं, वे सैन्य सेवा के पूर्ण मूल और स्कैन किए गए दस्तावेजों के साथ 24 दिसंबर 2024 को 12:30 बजे इस कार्यालय में साक्षात्कार के लिए उपस्थित हों। गैर-सरकारी कल्याण आयोजक पद के लिए सेना में नायब सुभदार या उससे ऊपर का पद और कंप्यूटर दक्षता प्रमाणपत्र आवश्यक है। कलेक्टर कार्यालय ने एक पत्र में बताया है कि अंग्रेजी और मराठी टाइपिंग कौशल रखने वालों को प्राथमिकता दी जाएगी।

पिकअप ने हाईवे पर खड़े ट्रक को टक्कर मारी, चालक की मौत

घुग्घुस (सं) .

हाईवे पर खड़े ट्रक को मालवाहक पिकअप ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी. पिकअप चालक गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे इलाज के लिए नागपुर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. मृतक की पहचान करण चंदू पुंड (26) वर्ष के रूप में हुई है. पलासोनी का निवासी है.

जानकारी के अनुसार कोयला परिवहन करने वाला हाइवा ट्रक क्रमांक एमएच 34/एवी 2365 खराब होने के कारण वणी-घुग्घुस मार्ग पर वागदरा गांव के पास खड़ा था. पिकअप क्रमांक एमएच 34/एफसी 5628 का चालक जो कि वणी-घुग्घुस मार्ग से आ रहा था उसे रात के अंधेरे में ट्रक दिखाई नहीं दिया और तेज रफ्तार पिकअप ने पीछे से ट्रक को टक्कर मार दी. टक्कर में पिकअप का अगला हिस्सा ट्रक के नीचे आकर चकनाचूर हो गया और चालक करण पुंड गंभीर रूप से घायल हो गए. उन्हें वणी के ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन डॉक्टर ने उन्हें नागपुर रेफर करने की सलाह दी.नागपुर पहुंचने पर डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। यह घटना बुधवार (18) को शाम करीब 7.15 बजे वागदरा गांव के पास घटी.

'शरारत' करके रातों-रात बन गई थी स्टार

मैजिक शोज आज के समय में बहुत आम बात है, लेकिन साल 2000 के दौर में ये बड़ी बात हुआ करती थी. उस सयम मैजिक पर आधारित फिल्में और शोज पसंद किए जाते थे, क्योंकि भारतीय दर्शकों खासकर बच्चों के लिए ये सब कुछ नया होता था. उसी समय एक सीरियल आया जिसका नाम 'शरारत' था और उस शो ने खूब लोकप्रियता बटोरी थी. उस शो की लीड एक्ट्रेस श्रुति सेठ थीं. फैंस आज भी उन्हें उस शो के किरदार के नाम से ही जानते हैं.

श्रुति सेठ ने 'शरारत' में जिया का रोल प्ले किया था, जिसे लोग पसंद करते थे. बच्चे ही नहीं बड़े भी श्रुति के किरदार के दीवाने थे. आज श्रुति 47 साल की गई है. श्रुति सेठ आज कैसी दिखती हैं? क्या करती हैं? ये सब कुछ उनका हर फैन जानना चाहता होगा. चलिए बताते हैं.

18 दिसंबर 1977 को मुंबई में जन्मीं श्रुति सेठ ने सेंट जेवियर कॉलेज से इकोनॉमिक्स और कॉमर्स विषय से ग्रेजुएशन किया. इसके बाद श्रुति ने मुंबई के ताज होटल में रिलेशन एग्जीक्यूटिव की पोस्ट पर जॉब शुरू की थी. एक्स्ट्रा इनकम के लिए श्रुति ने मॉडलिंग करना शुरू कर दिया था. उसी दौरान उन्हें टीवी सीरियल में छोटे-मोटे रोल भी मिलने लगे थे.

चैनल वी के लिए श्रुति को एक रोल ऑफर हुआ जिसका नाम 'जंगली जुकबॉक्स' था. श्रुति सेठ को घर-घर पहचान टीवी सीरियल 'शरारत' (2003) से मिली, जिसमें श्रुति फरीदा जलाल और पूनम नरुला के साथ लीड रोल में थीं और परी का रोल प्ले कर रही थीं. इस सीरियल के कारण ही श्रुति को आज भी लोग पहचानते हैं.

श्रुति सेठ ने 'कॉमेडी सर्कस' के कई एपिसोड्स में बतौर एंकर काम किया. इसके अलावा श्रुति 'क्यों होता है प्यार','ब्लडी ब्रदर', 'रिश्ता डॉट कॉम', 'श्श्श् कोई है', 'बालवीर' जैसे कई सीरियल में नजर आईं. श्रुति ने करिश्मा कपूर के साथ 'मेंटरहुड' जैसी सीरीज में भी काम किया है. आमिर खान और काजोल की सुपरहिट फिल्म 'फना' में श्रुति ने काजोल की दोस्त का रोल निभाया था. इसके अलावा श्रुति यशराज की फिल्म 'तारा रम पम' में और प्रकाश झा की फिल्म 'राजनीति' में भी नजर आईं.

साल 2010 में श्रुति सेठ ने फिल्म डायरेक्टर दानिश असलम के साथ शादी की थी. दानिश और श्रुति की एक बेटी अलिना है. उस समय श्रुति की खूब आलोचना भी हुई थी. फिलहाल श्रुति सेठ अपनी पर्सनल लाइफ में खुश हैं. श्रुति अब टीवी सीरियल के अलावा वेब सीरीज में भी काम कर रही हैं. इन्होंने 'ब्लडी ब्रदर्स', 'मेंटरहुड', 'दिल जैसे धड़के धड़कने दो' में काम किया है. वहीं बताया जाता है कि श्रुति स्कूलों या दूसरे एकेडमी में जाकर मेंटल हेल्थ के बारे में बताती हैं.

देवोलीना भट्टाचार्जी के घर गूंजी किलकारी

लंबे वक्त से देवोलीना भट्टाचार्जी अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर सुर्खियों में बनी हुई थीं. एक्ट्रेस ने पति शाहनवाज के साथ अपने बर्थडे की फोटो शेयर की थीं, जिसमें उनका बेबी बंप नजर आ रहा था. फैन्स इस बात को लेकर काफी ज्यादा एक्साइटेड थे कि देवोलीना को बेटा होगा या बेटी. लेकिन अब फैंस का इंतजार खत्म हो चुका है और देवोलीना भट्टाचार्जी के घर खुशियों ने दस्तक दे दी है. देवोलीना ने बेटे को जन्म दिया है. देवोलीना और शहनवाज ने सोशल मीडिया पर ये खुशखबरी अपने सभी फैन्स के साथ शेयर की है. शेयर किए गए पोस्ट में नए-नए मम्मी-पापा बने कपल ने अपनी खुशी जाहिर की है. कपल के फैंस भी इस बात से काफी खुश हैं और उन पर प्यार बरसा रहे हैं. साथ ही लोग बच्चे को भी

आशीर्वाद दे रहे हैं.

देवोलीना भट्टाचार्जी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक छोटा सा वीडियो शेयर किया है. इस वीडियो में उन्होंने बेटे के जन्म की अनाउंसमेंट की है. एक्ट्रेस के पोस्ट में लिखा है,"हम अपनी इस छोटी सी खुशी को जाहिर करते हुए बहुत एक्साइटेड हैं. हमारा बेबी बॉय इस दुनिया में आ चुका है. 18.12.2024." देवोलीना और शहनाज के घर कल बेटा हुआ है, लेकिन उन्होंने आज इसकी जानकारी फैन्स के साथ शेयर की है. देवोलीना के मां बनने की खबर सोशल मीडिया पर आते ही फैन्स के साथ-साथ सेलिब्रिटी भी उनको बधाई दे रहे हैं.

देवोलीना भट्टाचार्जी ने अपने बॉयफ्रेंड और जिम ट्रेनर शाहनवाज शेख के साथ साल 2022 में शादी की थी. देवोलीना हिंदू हैं और शाहनवाज मुस्लिम धर्म से आते हैं. दोनों ने कोर्ट मैरिज करने का फैसला किया था. इस शादी के लिए देवोलीना को सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल किया गया था.

12 साल तक विदेश में ब्रह्मचारी रहीं ममता

90 के दशक की बॉलीवुड एक्ट्रेस ममता कुलकर्णी 24 साल बाद भारत लौट आई हैं. भारत लौटने के बाद ममता अपने बयानों की वजह से सुर्खियां बटोर रही हैं. इस बीच उन्होंने बताया है कि वे भारत से क्यों गायब हुई थीं और क्या भारत लौट आने के बाद वे बॉलीवुड में अपनी वापसी करेंगी? ममता ने भारत से गायब होने की वजह बताई. उन्होंने कहा- 'मेरे भारत से जाने की वजह अध्यात्म थी. 1996 में अध्यात्म की तरफ झुकाव हुआ और उसी दौरान मेरी मुलाकात गुरु गगन गिरी महाराज से हुई. उनके आने के बाद मेरे मन में अध्यात्म को लेकर रुचि बढ़ी. इसी के बाद मेरी तपस्या शुरू हो गई.' 24 साल तक गायब रहने के सवाल पर ममता ने आगे कहा- 'मैं मानती हूं कि बॉलीवुड ने मुझे नाम और शोहरत दी. इसके बाद बॉलीवुड का भी साथ छूट गया. साल 2000 से 2012 तक मैं तपस्या करती रही. मैं कई सालों तक दुबई में थी और दो बेडरूम के हॉल में रहती थी और 12 सालों तक ब्रह्मचारी रही.'

ममता ने बॉलीवुड कमबैक पर अपना रुख साफ किया. एक्ट्रेस ने कहा- 'अब मैं सन्यासी हूं और मुझे अब न तो बॉलीवुड में इंटरेस्ट है और न ही किसी और चीज से मतलब है. मेरी उम्र अब नहीं है कि मैं दोबारा बॉलीवुड के बारे में सोचूं. मैं आध्यात्मिक जिंदगी जीना

मैजिकविन गैम्बलिंग ऐप केस में फंसीं मल्लिका

मैजिकविन गैम्बलिंग ऐप से जुड़े मामले में बॉलीवुड और छोटे पर्दे से जुड़े कलाकारों को ईडी ने समन भेजा है. ईडी ने इस मामले में बॉलीवुड एक्ट्रेस मल्लिका सहरावत और पूजा बनर्जी को समन किया है..ईडी ने पूजा बनर्जी से इस मामले में पूछताछ की है. वहीं मल्लिका शेरावत ने मेल के जरिए समन का जवाब दिया है.

गैम्बलिंग ऐप मैजिकविन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट की जांच का दायरा लगातार बढ़ रहा है. मल्लिका शेरावत और पूजा बनर्जी के अलावा ईडी ने दो और बड़े सेलिब्रिटीज को भी समन किया है जिन्हें शुक्रवार और शनिवार को पूछताछ में शामिल होने के लिए बुलाया है. अगले हफ्ते ईडी 7 और बड़े सेलेब्स, टीवी कलाकार और कॉमेडियन को भी समन भेजेगी.

मल्लिका शेरावत ने ईमेल के जरिए ईडी को अपना जवाब दिया जबकि पूजा बनर्जी ईडी के अहमदाबाद स्थित दफ्तर में पूछताछ में शामिल हुई थीं. ईडी ने 'मैजिकविन' से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली, मुंबई और पुणे की 21 लोकेशन पर छापेमारी की थी. छापेमारी में कई दस्तावेज, डिजिटल डिवाइस और 30 लाख रुपए जब्त हुए थे. ईडी ने अपनी जांच अहमदाबाद पुलिस की साइबर क्राइम के दर्ज कराई गई एफआईआर पर शुरू की थी जिसमें मैजिकविन और

इस चीज में जाता है 'देसी गर्ल' का पैसा

एक्ट्रेस देसी गर्ल यानी की प्रियंका चोपड़ा सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा एक्टिव रहती हैं. वो अपनी पर्सनल लाइफ से लेकर प्रोफेशनल लाइफ तक काफी सारी चीजों की अपडेट्स सोशल मीडिया पर देती रहती हैं. हाल ही में एक्ट्रेस ने एक वीडियो शेयर की है. जिसमें उन्होंने बताया कि उनका पैसा कहां जाता है और कहां नहीं. उनकी ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है.

प्रियंका ने लाइफ की असली लग्जरी के बारे में बताते हुए लिखा- समय, हेल्थ, शांत दिमाग, ट्रैवल, बिना गिल्ट के रेस्ट, शांत और 'बोरिंग' दिन, वो लोग जिन्हें आप प्यार करते हो और वो लोग जो आपको प्यार करते हैं, घर का बना खाना और मीनिंगफुल बातचीत आपकी असली लग्जरी हैं.

हाल ही में एक्ट्रेस ने पति निक जोनस और बेटी मालती मैरी और पालतू पेट के साथ डॉग के साथ घर पर अपने प्री- क्रिसमस इवेंट पार्टी की थी. एक्ट्रेस ने इसकी फोटो भी शेयर की थी. फोटो में एक्ट्रेस अपने पति निक के बगल में बैठी हैं और रोमांटिक पल शेयर करती दिखाई दीं. दोनों निक और प्रियंका साथ में बेहद खूबसूरत लग रहे थे. इवेंट के लिए एक्ट्रेस ने शानदार रेड कलर की आउटफिट पहना. वहीं, निक काले रंग के सूट में स्टाइलिश दिख रहे थे. इस पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा- होम.

हाल ही में प्रियंका और निक सउदी अरब के जेद्दा में रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में शिरकत की थी. एक्ट्रेस जल्द ही एक्शन-थ्रिलर 'सिटाडेल' के दूसरे सीजन में दिखाई देंगी. इसके अलावा उनकी झोली में फरहान अख्तर की 'जी ले जरा' भी है. उनके हाथ में द ब्लफ भी है.

कब रिलीज होगा प्रभास की 'राजा साब' का टीजर?

'कल्कि 2898 एडी' के बाद प्रभास अपनी अपकमिंग फिल्म 'राजा साब' के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए एक बार फिर से तैयार हैं. 'राजा साब' एक हॉरर कॉमेडी फिल्म है और इसको मारुति डायरेक्ट कर रहे हैं. फिल्म को लेकर चर्चा चल रही है कि इसका टीजर क्रिसमस या फिर नए साल के मौके पर रिलीज किया जाएगा. वहीं बीते दिन तो ये खबर भी आई थी कि 'राजा साब' की रिलीज डेट भी पोस्टपोन हो गई है. हालांकि डेट पोस्टपोन को लेकर मेकर्स ने कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है, लेकिन फिल्म के टीजर रिलीज और बाकी चीजों से जुड़ा एक ऑफिशियल अपडेट जरूर दिया गया है.

एक्स प्लेटफॉर्म पर मेकर्स ने एक पोस्ट शेयर किया है. जिसमें फिल्म को लेकर अपडेट दिया गया है. इसमें लिखा है, 'राजा साब' की शूटिंग लगातार शेड्यूल के हिसाब से दिन-रात तेजी से आगे बढ़ रही है. शूटिंग का काम लगभग 80% पूरा हो गया है और पोस्ट-प्रोडक्शन का काम जोरों पर चल रहा है. निर्माताओं ने आगे कहा, "हमने फिल्म के टीजर की रिलीज को लेकर क्रिसमस या फिर नए साल पर अलग-अलग अटकलों को देखा है. हम आपके अनुरोध करते हैं कि आप इन झूठी अफवाहों पर बिल्कुल ध्यान न दें. हम सही समय आने पर आधिकारिक तौर पर इसके बारे में अपडेट देंगे."अपने स्टेटमेंट में मेकर्स ने साफ तौर पर कहा है कि वो सही समय आने पर फिल्म को लेकर घोषणा करेंगे. प्रभास स्टारर 'राजा साब' की रिलीज को लेकर शुरू में घोषणा की गई थी कि ये फिल्म 10 अप्रैल 2025 को रिलीज की जाएगी. हालांकि रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया गया कि इसकी रिलीज डेट को पोस्टपोन कर दिया गया है, लेकिन अभी तक इसी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. माना जा रहा है कि 'राजा साब' में प्रभास का उनका डबल रोल होगा. प्रभास के अलावा फिल्म में निधि अग्रवाल और मालविका मोहनन भी अहम किरदारों में नजर आएंगी.

प्रभास की अन्य फिल्मों की बात करें तो इन दिनों वो अपनी अपकमिंग फिल्म फौजी के लिए शूटिंग कर रहे हैं. 'फौजी' के निर्देशक हनू राघवपुड़ी हैं, जिन्होंने मृणाल ठाकुर के साथ 'सीता रमम' बनाई है. 'फौजी' को एक पीरियड ड्रामा फिल्म बताया जा रहा है, जिसमें प्रभास ब्रिटिश भारतीय सोल्जर की भूमिका में नजर आने वाले हैं.

पलक तिवारी की ड्रेस देख भड़के लोग

टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी की पॉपुलैरिटी किसी बॉलीवुड स्टार से कम नहीं है. पलक तिवारी को इंडस्ट्री में बिजली गर्ल के नाम से जाना जाता है. उनके गाने बिजली बिजली ने सोशल मीडिया पर आग लगा दी थी. इसके अलावा, पलक अपने फैशन से भी फैंस को दीवाना बनाकर रखती हैं. वह कई बार अपने लुक की वजह से लोगों का ध्यान खींच चुकी हैं, लेकिन इतनी पॉपुलैरिटी के बावजूद वह ट्रोलिंग से बच नहीं पातीं. पलक अपने लेटेस्ट लुक की वजह से बुरी तरह ट्रोल हो रही हैं. लोग उन्हें खरी खोटी सुना रहे हैं. दरअसल, पलक तिवारी बीती रात एक इवेंट में पहुंचीं. यहां पर पलक पिंक कलर की साटिन ड्रेस में दिखीं, जो काफी सिंपल ड्रेस थी. इस ड्रेस के साथ पलक ने गले में नेकपीस पहना था और बालों का बन बनाया हुआ था. पलक ने इस लुक के साथ पिंक मेकअप केरी किया, जिसमें वह

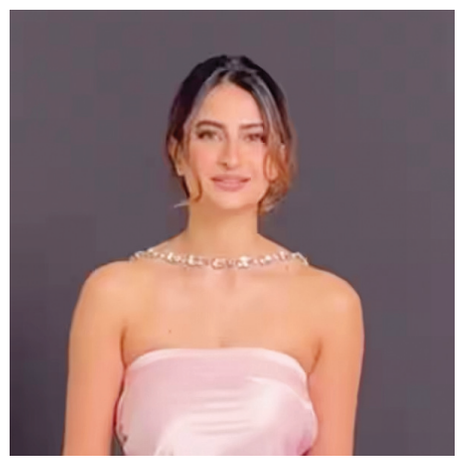

किसी बार्बी डॉल से कम नहीं लगीं, लेकिन पलक तिवारी की ये ड्रेस फैंस को जरा भी पसंद नहीं आई है और इसी वजह से एक्ट्रेस को बुरी तरह ट्रोल किया जा रहा है. लोग पलक का मजाक उड़ा रहे हैं.बता दें कि पलक तिवारी कई पंजाबी गानों में नजर आ चुकी हैं, जिसमें सबसे ज्यादा हिट बिजली बिजली रहा है. हार्डी संधु के इस गाने को फैंस का भरकर प्यार मिला. पलक ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान से की. ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं कर पाईं, लेकिन पलक की खूबसूरती को फिल्म में तारीफ मिली.

'लापता लेडिज', को लेकर आमिर का छलका दर्द

किरण राव की फिल्म 'लापता लेडीज' इसी साल मार्च में रिलीज हुई थी. फिल्म का निर्माण आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस में हुआ था. फिल्म सिनेमाघरों में फ्लॉप हो गई थी. जिसके बाद वह ओटीटी नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी. जिसके बाद फिल्म को भारत की तरफ से ऑस्कर में भेजा गया था, लेकिन अब फिल्म ऑस्कर 2025 की रेस से बाहर हो गई है. जिसकी वजह से फैंस काफी ज्यादा मायूस नजर आ रहे हैं. इस वजह से किरण राव और आमिर खान भी काफी ज्यादा दुखी हैं. दोनों ने सोशल मीडिया पर अपना दुख शेयर किया है.आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस की तरफ से एक स्टेटमेंट सामने आया है. जिसमें उन्होंने फिल्म के बाहर होने पर दुख जताया है. पोस्ट में उन्होंने लिखा- 'लापता लेडीज़ इस साल अकादमी पुरस्कार की शॉर्टलिस्ट में जगह नहीं बना पाई, और हम निश्चित रूप से निराश हैं, लेकिन साथ ही हम इस यात्रा के दौरान हमें मिले अविश्वसनीय समर्थन और विश्वास के लिए बेहद आभारी हैं.' इस पोस्ट में आगे लिखा है, 'आमिर खान प्रोडक्शंस, जियो स्टूडियोज और किंडलिंग प्रोडक्शंस की ओर से हम अकादमी के सदस्यों और एफएफआई जूरी का धन्यवाद करते हैं, जिन्होंने हमारी फिल्म पर विचार किया. यह सम्मान की बात है कि हमारी फिल्म को दुनियाभर की बेहतरीन फिल्मों के साथ इस प्रतिष्ठित प्रक्रिया में शामिल किया गया.

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 सायकल के मुकाबले

नई दिल्ली.

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 का सायकल अब अपने आखिरी पड़ाव पर है. मौजूदा सायकल पूरी तरह रोमांच से हर भरा हुआ है. हर मुकाबले के बाद पॉइंट्स टेबल में फेरबदल देखने को मिल रही है. अब इसमें 8 ही मुकाबले बचे हैं, जिसके बाद तय हो जाएगा कि कौन सी दो टीमें फाइनल मुकाबले के लिए भिड़ने वाली हैं. 11 से 15 जून तक लॉर्ड्स में होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल के बाद चैंपियन टीम मिल जाएगी. इसके बाद डब्ल्यूटीसी 2025-27 सायकल के मुकाबले शुरू हो जाएंगे. इसके मुकाबलों की पूरी लिस्ट भी सामने आ चुकी है. आइये जानते हैं टीम इंडिया इस दौरान किन टीमों का कहां सामना करेगी. टीम इंडिया वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 के सायकल में 6 टीमों का सामना करेगी. इसमें से 3 सीरीज घर पर और 3 विदेशी धरती पर खेला जाना है. जून 2025 में शुरू हो रहे इस सायकल में भारतीय टीम की पहली भिड़ंत इंग्लैंड की टीम से होगी. 5 मैचों की इस टेस्ट सीरीज की शुरुआत 20 जून 2025 से होगी. वहीं इसका आखिरी मुकाबला 31 जुलाई से 4 अगस्त तक खेला जाएगा. ये सभी मुकाबले इंग्लैंड की धरती पर ही खेले जाएंगे. इसके

अलावा भारत को विदेशी जमीन पर न्यूजीलैंड और श्रीलंका का सामना करना है. वहीं घर पर ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले होंगे. हालांकि, अभी इन मुकाबलों की तारीखें सामने नहीं आई हैं.

वेस्टइंडीज अगले सायकल में घरेलू सीरीज में ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका और पाकिस्तान की मेजबानी करेगी. वहीं उसे 3 विदेशी सीरीज के लिए भारत, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश जाना होगा. अब बात करते हैं, बांग्लादेश की. उसने इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और पाकिस्तान को घरेलू सीरीज के चुना है, जबकि उसने साउथ अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका का दौरा करने का फैसला किया है.

सभी टीमों डब्ल्यूटीसी 2025-27 के सायकल में 6 सीरीज खेलने वाली हैं. इसमें उसे 3 अपने घर पर और 3 विदेशी धरती पर खेलने होंगे. हालांकि, फिलहाल सिर्फ सीरीज का पता चल पाया है. इनकी तारीखों का ऐलान होना अभी बाकी है. ऑस्ट्रेलिया की टीम घरेलू टेस्ट में इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश से भिड़ेगी.

पाकिस्तान ने अपने घरेलू सीरीज के लिए न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका और श्रीलंका को बुलाया है. वहीं विदेशी दौरे के लिए उसे इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और बांग्लादेश जाना होगा. दूसरी ओर श्रीलंका अपने घर पर भारत, साउथ अफ्रीका और बांग्लादेश से भिड़ेगी, फिर न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज और पाकिस्तान का दौरा करेगी.

विराट कोहली की महिला पत्रकार से बहस

मेलबर्न.

विराट कोहली इस वक्त ऑस्ट्रेलिया में हैं जहां वो बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेल रहे हैं. गाबा टेस्ट खत्म होने के बाद टीम इंडिया अब मेलबर्न पहुंच चुकी है और वहां पहुंचते ही विराट कोहली एक बड़े विवाद में फंस गए हैं. दरअसल मेलबर्न पहुंचते ही विराट कोहली की एक महिला पत्रकार से बहस हो गई. विराट कोहली एयरपोर्ट पर काफी देर तर महिला रिपोर्टर से बहस करते रहे. अब सवाल ये है कि आखिर क्यों विराट कोहली महिला पत्रकार पर गुस्सा हुए? दरअसल ऑस्ट्रेलियाई पत्रकारों ने विराट कोहली के बच्चों की तस्वीर खींच ली जिसके बाद ये दिग्गज खिलाड़ी भड़क गया.

विराट कोहली का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें वो महिला पत्रकार से बातचीत कर रहे हैं. विराट बातचीत करते हुए काफी गुस्से में नजर आ रहे हैं. इसके बाद विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलियाई पत्रकारों को कहा कि आप लोग मेरी इजाजत के बिना मेरे बच्चों की फोटो नहीं खींच सकते हैं. हालांकि चैनल 7 का दावा है कि उनके बच्चों की कोई फोटो क्लिक नहीं की गई ना ही उनका वीडियो बनाया गया.

विराट कोहली ने सभी को कहा कि उन्हें प्राइवेसी की जरूरत है और उनकी इजाजत के बिना कोई उनका वीडियो नहीं बना सकता.

विराट कोहली की ऑस्ट्रेलियाई पत्रकारों और फोटो जर्नलिस्ट से बहस का मुद्दा पूरे ऑस्ट्रेलिया में छा गया है. ऑस्ट्रेलियाई मीडिया विराट कोहली का आलोचना कर रही है. वैसे विराट और ऑस्ट्रेलियाई मीडिया के संबंध हमेशा से ही अच्छे नहीं रहे हैं. अपने पहले दौरे पर भी वो ऑस्ट्रेलियाई मीडिया से उलझ गए थे. लेकिन इस बार मुद्दा कुछ अलग है.

मेलबर्न में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथा टेस्ट 26 दिसंबर से खेला जाएगा. टेस्ट सीरीज फिलहाल 1-1 से बराबर है. पर्थ टेस्ट भारत ने जीता था.

एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया को जीत मिली. ब्रिसबेन टेस्ट ड्रॉ रहा. अब मेलबर्न में कौन सीरीज में बढ़त बनाएगा ये देखना दिलचस्प रहेगा.

अश्विन का ढोल-नगाड़ों साथ हुआ स्वागत

चेन्नई.

भारत के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद चेन्नई लौट चुके हैं। गुरुवार को अश्विन के आवास पर उनका जोरदार स्वागत हुआ। जैसे ही अश्विन की कार उनके घर के गेट के पास आकर रुकी, ढोल-नगाड़ों और तालियों से उनका स्वागत हुआ। अश्विन के साथ उनकी पत्नी प्रीति और दोनों बेटियां भी रहीं। अश्विन के आवास पर उनके माता पिता के अलावा कई और लोग मौजूद रहे। सभी ने अश्विन के लिए तालियां बजाईं और उन पर फूलों का बारिश की गई। वहां मौजूद लोगों ने उन्हें माला पहनाई।

अश्विन के पिता रविचंद्रन ने उन्हें गले लगाया, जबकि मां भावुक दिखीं। रविचंद्रन ने बेटे का माथा भी चूमा। इस दौरान दोनों भावुक नजर आ रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि संन्यास कई लोगों के लिए भावुक कर देने वाला पल होता है, लेकिन उनके लिए यह सुकून के पल हैं। अश्विन बिना किसी शोर शराबे के स्वदेश लौट आए। चेन्नई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के स्थानीय अधिकारी अश्विन को बाहर लेकर आए। इस बीच प्रशंसकों ने उनकी तस्वीरें ली, लेकिन उन्होंने हवाई अड्डे पर मीडियाकर्मियों से कोई बात नहीं की।

घर पहुंचने पर अश्विन ने मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा- मैं आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलने जा रहा हूं। और इसमें हैरानी नहीं होनी चाहिए अगर में लंबे समय तक खेलने की कोशिश करता हूं और इस टीम के लिए खेलने की इच्छा रखता हूं। मुझे भी आश्चर्य नहीं होगा। मुझे नहीं लगता कि अश्विन एक क्रिकेटर के तौर पर खत्म हो गया है। मुझे लगता है कि अश्विन ने भारतीय क्रिकेटर के तौर पर जरूर अपना काम खत्म कर लिया है। बस इतना ही कहना है।' जब उनसे पूछा गया कि क्या संन्यास लेना एक कठिन फैसला था, तो उन्होंने कहा, 'ऐसा नहीं है। यह बहुत से लोगों के लिए भावनात्मक है। यह भावनात्मक होगा, शायद यह

पल भी बीत जाएगा। लेकिन मेरे लिए, यह राहत की एक सुकून और संतुष्टि का पल है। यह कुछ समय से मेरे दिमाग में चल रहा था, लेकिन संन्यास का एलान करना बहुत सहज था। मैंने इसे गाबा टेस्ट के चौथे दिन महसूस किया और पांचवें दिन इसका एलान कर दिया।'अश्विन ने बुधवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ब्रिस्बेन में बारिश से प्रभावित तीसरा टेस्ट मैच ड्रॉ छूटने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के घोषणा करके सभी को चौंका दिया था। अश्विन ने भारत के लिए 116 एकदिवसीय मैच खेले, जिसमें उन्होंने 156 विकेट लिए, जबकि 65 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने 72 विकेट हासिल किए।

साउथ अफ्रीका को बीच सीरीज में लगा झटका

नई दिल्ली.

पर्ल.दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज बाएं हाथ की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण पाकिस्तान के खिलाफ शेष वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। महाराज को मंगलवार को पर्ल में पहले वनडे से पहले अभ्यास के दौरान चोट लगी थी। उनकी जगह दक्षिण अफ्रीका की एकादश में तेज गेंदबाज ऑलराउंडर एंडिले फेहलुकवायो को शामिल किया गया है। महाराज रिहैब के लिए डरबन लौटेंगे, जबकि ब्योर्न फोर्टुइन को पाकिस्तान के खिलाफ बचे हुए दो वनडे मैचों के लिए उनके टीम में शामिल किया गया है। अगले दोनों मुकाबले केपटाउन और जोहान्सबर्ग में गुरुवार और रविवार को खेले जाने हैं। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "केशव महाराज पाकिस्तान के खिलाफ शेष वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं, क्योंकि स्कैन में बाएं हाथ की मांसपेशियों में खिंचाव का पता चला है। वह पुनर्वास के लिए डरबन लौटेंगे और पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट से पहले उनकी स्थिति का फिर से आकलन किया जाएगा।" अंतिम दो वनडे के लिए ब्योर्न फोर्टुइन को टीम में शामिल किया गया है।" महाराज की चोट दक्षिण अफ्रीका के अनुपलब्ध गेंदबाजों की बढ़ती सूची में जुड़ गई है। मेजबान टीम पहले से ही एनरिक नोर्किया, गेराल्ड कोएट्जी, लुंगी एनगिडी, नांद्रे बर्गर और वियान मुल्डर चोट से बाहर हैं।हाल ही में, महाराज ने कबेरा में श्रीलंका के खिलाफ अंतिम दिन दक्षिण अफ्रीका की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, उन्होंने 76 रन देकर 5 विकेट लिए थे जिससे बल्लेबाजी ढह गई थी। उनकी अनुपस्थिति में, दक्षिण अफ्रीका पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए स्पिन गेंदबाजी विकल्पों डेन पीट और सेनुरन मुथुसामी की ओर रुख कर सकता है। अन्य संभावित उम्मीदवारों में बल्लेबाजी ऑलराउंडर नील ब्रांड शामिल हैं, जो बाएं हाथ से स्पिन गेंदबाजी करते हैं.

भारत का वो कांबली जिसे नहीं मिला खेलने का मौका

नई दिल्ली.

क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर के दोस्त और पूर्व क्रिकेटर विनोद कांबली ने भी अपने करियर की शुरुआत में काफी नाम कमाया था. लेकिन एक समय लग्जरी लाइफ जीने वाले कांबली आज पैसों के मोहताज हो गए है. विनोद कांबली का करियर जितनी तेजी के साथ ऊपर ऊठा वैसे ही नीचे भी आ गया था. कांबली का करियर काफी कम समय में खत्म हो गया था, माना जाता है कि शराब की लत और अनुशासनहीनता की वजह से कांबली का करियर समय से पहले बर्बाद हो गया था. लेकिन भारतीय क्रिकेट में कांबली नाम का एक ऐसा खिलाड़ी भी है जिसने घरेलू क्रिकेट तो खेला था, मगर टीम इंडिया में कभी भी अपनी जगह नहीं बना सका.

विनोद कांबली के घरेलू करियर की शुरुआत 1989 में हुई थी. वहीं, 1992 में नारायण कांबली नाम के एक खिलाड़ी की भी भारतीय क्रिकेट में एंट्री हुई थी. नारायण कांबली गोवा की टीम के खिलाड़ी रहे हैं, जिन्होंने घरेलू क्रिकेट में गोवा के लिए फर्स्ट क्लास क्रिकेट के साथ-साथ लिस्ट ए क्रिकेट भी खेला था. इस खिलाड़ी का जन्म 24 अक्टूबर 1967 को गोवा के रायबंदर में हुआ था. यानी नारायण कांबली आज अपना 58वां जन्मदिन मना रहे हैं. नारायण कांबली एक मीडियम फास्ट बॉलर रहे हैं और बल्लेबाजी भी किया करते थे.नारायण कांबली ने 1992 से 2006 के बीच गोवा की टीम के लिए 39 फर्स्ट क्लास मैच और 20 लिस्ट ए मैच खेले हैं. इस दौरान नारायण कांबली ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 36.93 के औसत से 72 विकेट हासिल किए थे. उन्होंने 2 बार पारी में 5 विकेट लेने का कारनामा भी किया था. इसके अलावा फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनके नाम 192 रन भी दर्ज हैं. दूसरी ओर लिस्ट ए क्रिकेट में नारायण कांबली ने 39.36 के औसत से 19 विकेट चटकाए थे और 14 रन भी बनाए थे.बता दें, नारायण कांबली ने अपने फर्स्ट क्लास करियर का आखिरी मैच जनवरी 2006 में हिमाचल प्रदेश के खिलाफ खेला था. खास बात दे है कि उन्होंने अपने करियर का सबसे बेस्ट प्रदर्शन भी इसी मैच में किया था. इस मुकाबले की पहली पारी में नारायण कांबली ने 26 ओवर में 58 रन देकर 5 विकेट हासिल किए थे. दूसरी पारी में भी नारायण कांबली ने 1 बल्लेबाज को अपना शिकार बनाया था. हालांकि उनकी टीम को इस मुकाबले में 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था.

रियाल मैड्रिड ने इंटरकॉन्टिनेंटल कप जीता

नई दिल्ली.

रियल मैड्रिड ने मैक्सिको की टीम पचुका को 3-0 से हराकर इंटरकांटिनेंटल कप फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। इससे कार्लो एंसेलोटी क्लब के इतिहास में सर्वाधिक ट्राफियां जीतने वाले कोच बन गए। रियल मैड्रिड ने एंसेलोटी के कोच रहते हुए अपना 15वां खिताब जीता। एंसेलोटी ने इस तरह से मिगुएल मुनोज़ को पीछे छोड़ा जिन्होंने 1960 और 70 के दशक में स्पेन के इस क्लब का कोच रहते हुए 14 खिताब जीते थे। एंसेलोटी ने मैच के बाद कहा, 'मैं इस जीत से बहुत खुश हूं। हमारी शुरुआत बहुत अच्छी नहीं रही लेकिन हमने अच्छा अंत किया।'

किलियन एम्बाप्पे, रोड्रिगो और विनीसियस जूनियर ने एक-एक गोल किया जिससे रियाल मैड्रिड चार खिताबों के साथ प्रतियोगिता में सबसे सफल क्लब बन गया। इससे पहले उसने 1960, 1998 और 2002 में भी यह टूर्नामेंट जीता था।

प्रो इंटरनेशनल बास्केटबॉल लीग (अंडर-25) के लांच की घोषणा

नई दिल्ली.

कैप्टन्स प्रोफेशनल बास्केटबॉल प्राइवेट लिमिटेड (सीपीबीएल) ने बास्केटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) के साथ साझेदारी में बुधवार को प्रो इंटरनेशनल बास्केटबॉल लीग (आईएनबीएल प्रो अंडर-25) के लांच की घोषणा की, जो शानदार अवसरों के साथ भारतीय बास्केटबॉल का चेहरा पूरी तरह से बदल देगी।

लीग की शुरुआत 15 जनवरी 2025 को होगी, जिसमें छह टीमें चैम्पियनशिप के लिए मुकाबला करेंगी। शुरुआत के बाद, रोज़ाना एक गेम खेला जाएगा। मार्च 2025 की शुरुआत में अबू धाबी में फाइनल चार मैचों के साथ इसका समापन होगा। 9 जनवरी 2025 को खिलाड़ियों की नीलामी होगी, जिसमे भारत, यूएसए, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैण्ड से प्रतिभाशाली खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। इस लीग के साथ भारतीय बास्केटबॉल में नया अध्याय शुरू होने जा रहा है।

लांच के अवसर पर मौजूद उपस्थितगणों में आधव अर्जुन, अध्यक्ष, बीएफआई, कुलविंदर सिंह गिल, महासचिव, बीएफआई, री चैगालराया नायडू, कोषाध्यक्ष, बीएफआई, रूपिन्दर बार संस्थापक एवं चेयरमैन, आईएनबीएल प्रो, अभिषेक यश त्यागी, संस्थापक एवं सह-चेयरमैन, आईएनबीएल प्रो, दुष्यन्त खन्ना, संस्थापक एवं निदेशक, आईएनबीएल प्रो और परवीन बातिश, सीईओ, आईएनबीएल प्रो शामिल थे। आईएनबीएल प्रो में छह फ्रेंचाइज होंगी। भारत और दुनिया भर से सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाशाली युवा इसमें अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। हर टीम में 12

खिलाड़ी होंगे। प्रत्येक टीम में 25 वर्ष से कम उम्र के 6 भारतीय खिलाड़ी और 6 इंटरनेशनल खिलाड़ी शामिल होंगे। 12 इंटरनेशनल कोच और छह भारतीय असिस्टेंट कोच खिलाड़ियों को सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण प्रदान कर उनके विकास को सुनिश्चित करेंगे।इस अवसर पर बास्केटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष आधव अर्जुन ने कहा, "आईएनबीएल प्रो अंडर-25 एक महत्वपूर्ण टूर्नामेन्ट है जो भारत में बास्केटबॉल के मानकों को कहीं बेहतर बना देगा। अन्तर्राष्ट्रीय विशेषज्ञता और स्थानीय प्रतिभा के संयोजन के साथ यह खेल के लिए नए बेंचमार्क स्थापित करेगा। बीएफआई में हमें खुशी है कि हमें इस ऐतिहासिक लीग के लिए आईएनबीएल के साथ साझेदारी करने का मौका मिला है।

भारत की तकरीबन 50 फीसदी आबादी (1.42 बिलियन) की उम्र 25 वर्ष से कम है। ऐसे में देश में अपार प्रतिभा है। इस उम्र को ध्यान में रखते हुए, आईएनबीएल प्रो खिलाड़ियों को कम उम्र में ही इस खेल में करियर बनाने और इंटरनेशनल एक्सपोज़र के लिए तैयार करेगी। विकास, मनोरंजन और इंटरनेशनल सहयोग के संयोजन के साथ यह लीग भारतीय बास्केटबॉल को विश्वस्तरीय मंच पर लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बंगाल वारियर्स पर भारी पड़े तमिल थलाइवाज

प्लेआफ की दौड़ से बाहर होने के बाद तमिल थलाइवाज और बंगाल वारियर्स के लिए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन में अब सिर्फ सम्मान की लड़ाई बची है और इस लड़ाई में थलाइवाज टीम बंगाल पर भारी पड़ी। थलाइवाज ने बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में बुधवार को 60-29 के अंतर से हराया।

थलाइवाज को 20 मैच में सातवीं जीत मिली जबकि बंगाल को इतने ही मैचों में 12वीं हार मिली। थलाइवाज की जीत में मोइन शफागी (13), हिमांशु (13), साई प्रसाद (6) और डिफेंडर नितेश (7) ने चमक दिखाई जबकि फजल अतराचली के बगैर उतरी बंगाल के लिए मंजीत चौधरी ने सबसे अधिक सात अंक लिए। बंगाल की टीम चार बार आलआउट हुई।

शुरुआती 10 मिनट में थलाइवाज ने एक बार आलआउट लेते हुए 16-6 की लीड ले ली थी। साई प्रसाद ने चार अंक की रेड के साथ बंगाल को बैकफुट पर धकेला।

बंगाल को आलआउट करने में डिफेंस का अहम योगदान रहा क्योंकि उसने मनिंदर जैसे स्टार रेडर को इस दौरान खाता नहीं खोलने दिया। आलइन के बाद शफागी ने सुपर रेड के साथ बंगाल को फिर तगड़ा झटका दिया। लीज 19-6 की हो गई थी। इस बीच मनिंदर ने खाता खोला और इस सीजन में 100 रेड प्वाइंट्स पूरे किए। पांच मिनट के खेल में थलाइवाज ने 22-9 की लीड पर बंगाल के लिए सुपर टैकल आन कर दिया था।

बंगाल ने हालांकि इसके बाद लगातार तीन अंक लेकर ऑलआउट टाल दिया लेकिन 10 अंक का फासला अभी भी बना हुआ था। थलाइवाज ने इसके बाद भी अपनी पकड़ बनाए रखी और 25-13 के स्कोर पर पाला बदला। हाफटाइम के बाद थलाइवाज ने फिर से बंगाल को सुपर टैकल सिचुएशन में डाला और फिर शफागी की बदौलत ऑल आउट लेकर 30-14 की लीड ले ली। आलइन के बाद भी शफागी मल्टीप्वाइंटर के साथ बंगाल को दुख पहुंचाया। वह सुपर-10 पूरा कर चुके थे और फासला 20 अंक का हो गया था। साथ ही बंगाल के लिए सुपर टैकल भी आन था। इसके बाद बस्तामी और शफागी ने ऑलआउट की ओर धकेला लेकिन मंजीत ने मल्टी प्वाइंटर के साथ एक रिवाइवल ले लिया। इसके बाद नितेश ने शफागी को सुपर टैकल कर 30 मिनट की समाप्ति तक स्कोर 19-37 कर दिया। ब्रेक के बाद हालांकि हिमांशु ने नितेश और सिद्धेश को आउट कर थलाइवाज के लिए तीसरा ऑलआउट लिया। अब थलाइवाज 42-19 से आगे थे। इसी बीच नितेश ने सातवां हाई-5 पूरा किया। 20 असफल टैकल्स ने बंगाल का यह हाल किया है।

गौरव पुनियानी बने बेस्ट बॉक्सर

हिसार.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के गिरी सेंटर स्थित बॉक्सिंग हॉल में 14 से 18 दिसंबर तक आयोजित हुई चार दिवसीय 5वीं सीनियर एलीट हरियाणा स्टेट बॉक्सिंग चैंपियनशिप का बुधवार को समापन हो गया। चैंपियनशिप का आयोजन हरियाणा बॉक्सिंग संघ, क्रीड़ा भारती और एचएयू के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। चैंपियनशिप के बेस्ट बॉक्सर गौरव पुनियानी व बेस्ट प्रमोशिंग प्रीत रहे तथा ओवरऑल ट्रॉफी साई भिवानी को मिली और रनर अप हिसार रहा। चैंपियनशिप के समापन अवसर पर हकृवि के कुलपति डॉ. बी.आर. कंबोज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए और विशिष्ट अतिथि के तौर पर ओलंपियन अर्जुन अवॉर्डी डीएसपी जयभगवान मौजूद रहे। जिन्होंने विजेताओं को मेडल प्रदान किए। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि डॉ. बी.आर. कंबोज को शॉल व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

प्रतियोगिता में विभिन्न भार वर्ग में मेडल हासिल करने वाले खिलाडियों में 50 कि.ग्रा. भार वर्ग में आशीष ने गोल्ड, विशेष ने सिल्वर, अभिषेक व कृष्ण ठाकरान ने ब्रॉंज मेडल हासिल किया। 55 कि.ग्रा. में गंगा ने गोल्ड, प्रीत ने सिल्वर तथा प्रियांशु डबास व रिशभ कौशिक ने ब्रॉंज मेडल हासिल किया। 60 कि.ग्रा. में गौरीश पुजानी ने गोल्ड, हर्ष ने सिल्वर तथा दीपक व अनमोल ने ब्रॉंज, 65 कि.ग्रा. के अंशुल ने गोल्ड, मिलन देशवाल ने सिल्वर तथा साहिल डबास और पंकज कुमार ने ब्रॉंज, 70 कि.ग्रा. में नवीन सिवाच ने गोल्ड, अंकित ने सिल्वर तथा कार्तिक व गौरव सैनी ने ब्रॉंज, 75 कि.ग्रा. भार वर्ग में ईश पानू ने गोल्ड, नीरज ने सिल्वर तथा प्रिंस व प्रवीन कुमार ने ब्रॉंज मेडल, 80 कि.ग्रा. में शक्ति सिंह ने स्वर्ण, कृष ने रजत तथा ईशु गौतम व कबीर पंडित ने रजत, 85 कि.ग्रा. युवराज ने गोल्ड, यश ने सिल्वर और कपिल व मोहित ने ब्रॉंज, 90 कि.ग्रा. भार वर्ग में अमन ने गोल्ड, सागर ने सिल्वर, नवीन कुमार व अनिल ने ब्रॉंज, 90 कि.ग्रा. से ऊपर के भार वर्ग में अंशुल गिल ने स्वर्ण, हर्ष कुमार ने रजत तथा मनीष व रिधम ने कांस्य पदक प्राप्त किए।

मणिपुर में 'प्रोटेक्टेड एरिया परमिट' फिर लागू

इंफाल।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पड़ोसी देशों से आने वाले लोगों के कारण उत्पन्न सुरक्षा चिंताओं के मद्देनजर मणिपुर में संरक्षित क्षेत्र परमिट (प्रोटेक्टेड एरिया परमिट) व्यवस्था फिर से लागू कर दी है। बुधवार देर रात जारी एक बयान में कहा गया, इस परमिट को पुनः लागू करने के बाद, मणिपुर आने वाले विदेशियों की आवाजाही पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी और उन्हें विदेशी (संरक्षित क्षेत्र) आदेश 1958 के अनुरूप आवश्यक संरक्षित क्षेत्र परमिट (पीईपी) प्राप्त करना होगा।' इसमें कहा गया है कि केंद्र ने मणिपुर, नागालैंड और मिजोरम में संरक्षित क्षेत्र परमिट की व्यवस्था को फिर से लागू कर दिया है। बयान में यह भी कहा गया है कि राज्य सरकार ने एक संगठन द्वारा जारी की गई चेतावनी पर संज्ञान लिया है जिसमें मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह से कहा गया है कि वह सेनापति जिले में आयोजित एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए सड़क मार्ग से कांगपोकपी जिले से होकर न गुजरें। बयान में कहा गया, जांच के बाद पाया गया है कि मणिपुर में ऐसा कोई संगठन (कुकी ज़ो काउंसिल) मौजूद नहीं है। इस समूह की उत्पत्ति और प्रामाणिकता अत्यधिक संदिग्ध है। बयान में कहा गया है कि पुलिस मामले की जांच कर रही है और इस तरह की भ्रामक गतिविधियों के पीछे की वास्तविक प्रकृति और मंशा का पता लगाने के लिए प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। सरकार ने लोगों को ''सावधानी बरतने और ऐसे संदिग्ध संगठनों के बयानों या दावों पर ध्यान न देने की सलाह दी है जो भ्रम और अशांति पैदा करने के स्पष्ट इरादे से हाल ही में सामने आए हैं।'

685 हस्तियों ने बांग्लादेश को लिखा खुला पत्र

शांति और स्थिरता बनाए रखने की अपील

नई दिल्ली।

पूर्व न्यायाधीशों, राजदूतों, नौकरशाहों और शिक्षाविदों समेत भारत की 685 प्रतिष्ठित हस्तियों ने बांग्लादेश के लोगों को एक खुला पत्र लिखकर उनसे शांति और मैत्री का मार्ग बनाए रखने की अपील की है। हस्ताक्षरकर्ताओं में पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस.वाई. कुरैशी, पूर्व न्यायाधीश, राजनयिक, सशस्त्र बलों के अधिकारी और कई केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपति शामिल हैं। इस पत्र में पिछले पांच दशक से दोनों देशों द्वारा जारी शांति और मैत्री के मार्ग पर जारी यात्रा को बरकरार रखने की अपील की गई है। इस पत्र पर पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस वाई कुरैशी के भी हस्ताक्षर हैं। इसमें हस्ताक्षर करने वालों ने कहा कि अल्पसंख्यकों, उनकी संपत्तियों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर हमलों तथा उन्हें देश छोड़ने के लिए मजबूर करने के प्रयासों को तत्काल रोकने का आह्वान किया गया है। पत्र पर घनिष्ठ और भरोसेमंद द्विपक्षीय संबंध दोनों देशों के नागरिकों के दीर्घकालिक हित में है, और बांग्लादेश के लोगों को दुर्भावनापूर्ण भारत विरोधी अभियानों से प्रभावित नहीं होना चाहिए, जो लगातार बढ़ रहे पारस्परिक लाभकारी सहयोग के आधार को कमजोर करने का प्रयास करते हैं। पत्र में कहा गया, ''भारत के लोग बांग्लादेश में बिगड़ती स्थिति को लेकर चिंतित हैं। बांग्लादेश में अराजकता का माहौल है, जहां निर्णय लेने के लिए भीड़तंत्र को प्राथमिकता दी जा रही है। पूरे देश में सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में जबरन इस्तीफों का चलन है, जिसमें न्यायपालिका, कार्यपालिका (पुलिस सहित), शिक्षा जगत और यहां तक कि मीडिया घराने भी शामिल हैं।'' इसमें कहा गया है, ''पुलिस बल अब भी पूरी क्षमता के साथ ड्यूटी पर नहीं लौटा है और सेना को मजिस्ट्रेट और पुलिस शक्तियां दिए जाने के बावजूद सामान्य स्थिति अभी तक बहाल नहीं हुई है।'' पत्र में कहा गया, विशुद्ध रूप से मानवीय पहलुओं के अलावा, यह खतरा भी है कि बांग्लादेश में अस्थिर स्थिति सीमा पार फैल सकती है, सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ सकती है और भारत में कानून-व्यवस्था की गंभीर समस्या पैदा कर सकती है।

इन हस्तियों ने किये पत्र पर हस्ताक्षर

❑ पत्र पर हस्ताक्षर करने वाली 685 हस्तियों में 19 सेवानिवृत्त न्यायाधीश, 34 पूर्व राजदूत और 300 शिक्षाविद शामिल हैं जिनमें केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपति और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान(आईआईटी)तथा भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) के निदेशक शामिल हैं। इनके अलावा, 139 पूर्व नौकरशाहों ने भी हस्ताक्षर किए हैं जिनमें संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), एनसीईआरटी के पूर्व अध्यक्ष, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त, पूर्व पुलिस महानिदेशक और पूर्व आयकर आयुक्त शामिल हैं। सशस्त्र बल के 192 अवकाश प्राप्त अधिकारी और नागरिक समाज के 35 सदस्यों के भी पत्र पर हस्ताक्षर हैं।

समाज को नष्ट कर देगा लिव-इन रिलेशनशिप

गडकरी बोले- सिर्फ मजे के लिए पैदा नहीं करें बच्चे

नई दिल्ली।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने लिव-इन रिलेशनशिप और समलैंगिक विवाह को समाज के नियमों के खिलाफ बताते हुए कहा कि इससे सामाजिक ढांचे का पतन हो सकता है। एक यूट्यूब पॉडकास्ट में लिव-इन रिलेशनशिप पर अपने विचार साझा करते हुए गडकरी ने इसे गलत करार दिया। उन्होंने बताया कि एक बार वह ब्रिटिश संसद के दौरे पर लंदन गए थे, जहां उन्होंने ब्रिटिश प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री से देश के प्रमुख मुद्दों के बारे में पूछा था। इस दौरान उन्होंने बताया कि यूरोपीय देशों में सबसे बड़ी समस्या यह है कि पुरुष और महिलाएं शादी करने में रुचि नहीं रखते और वे लिव-इन रिलेशनशिप को पसंद कर रहे हैं। गडकरी ने यह भी बताया कि यदि लोग शादी नहीं करेंगे तो बच्चे कैसे होंगे और उन बच्चों का भविष्य क्या होगा? उन्होंने कहा, "अगर आप सामाजिक ढांचे को तोड़ देंगे तो इसका लोगों पर क्या असर होगा?" भारत को अधिक बच्चों की आवश्यकता है या कम बच्चों की? इस विषय पर बोलते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'सवाल यह नहीं है। माता-पिता का कर्तव्य है कि वे बच्चे पैदा करें और उनका पालन-पोषण ठीक से करें।' उन्होंने कहा कि यदि आप कहते हैं कि आपने मजे के लिए बच्चे पैदा किए हैं और फिर बिना जिम्मेदारी के देखते रहते हैं, तो यह काम नहीं करेगा। गडकरी ने यह भी कहा कि लिव-इन रिलेशनशिप समाज को नष्ट कर देगा।

लिंगानुपात बनाए रखने के महत्व पर भी जोर

❍ गडकरी ने देश में लिंगानुपात बनाए रखने के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, अगर ऐसा समय आ गया जहां 1500 महिलाएं और केवल 1000 पुरुष हों तो हमें पुरुषों को दो पत्नी रखने की अनुमति देनी पड़ सकती है। गौरतलब है कि अक्टूबर 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिक विवाह को वैध करने से मना कर दिया था। हालांकि कोर्ट ने यह कहा था कि राज्य समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने वाले कानून बना सकते हैं, भले ही केंद्र सरकार इस पर कोई कानून न बनाए।

जम्मू कश्मीर में रहस्यमयी बीमारी का आतंक

अब तक 8 लोगों को निगला, केंद्र ने शुरू की जांच

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में एक अज्ञात बीमारी के सामने आने के बाद दहशत का माहौल है। घाटी में इस बीमारी ने अब तक कई लोगों को अपनी चपेट में ले लिया है। जानकारी के मुताबिक मरने वालों की संख्या बढ़कर आठ हो गई है। बुधवार को राजौरी के एक अस्पताल में रहस्यमयी बीमारी से एक और बच्चे की मौत हो गई। मरने वालों की संख्या बढ़ने के बाद अधिकारियों ने प्रभावित गांव में मामलों और मौतों की जांच में सहायता के लिए विशेषज्ञों की एक केंद्रीय टीम गठित की है। जानकारी के मुताबिक सभी मृतक एक ही गांव राजौरी के कोटरंका के बदहाल गांव के थे। अधिकारियों के हवाले से बताया है मामले को लेकर जांच शुरू कर दी गई है। जांच में तेजी लाने और बीमारी की पहचान करने के लिए राजौरी में एक बायोसेफ्टी लेवल 3 मोबाइल लैब भेजी गई है। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया, "घटना को देखते हुए राजौरी में एक बायोसेफ्टी लेवल 3 मोबाइल प्रयोगशाला भेजी गई है। इसके अलावा मौतों की जांच में प्रशासन की मदद के लिए विशेषज्ञों की एक केंद्रीय टीम भी बनाई गई है।" वहीं राजौरी जिले के डिप्टी कमिश्नर अभिषेक शर्मा ने सोमवार को बधाल गांव का दौरा किया। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को मोहम्मद रफीक के बारह वर्षीय बेटे अशफाक अहमद की जम्मू के सरकारी मेडिकल कॉलेज में छह दिनों तक भर्ती रहने के बाद मौत हो गई।

उत्तर भारत के तापमान में गिरावट

हिमाचल में बर्फबारी के आसार

नई दिल्ली।

जम्मू-कश्मीर और पाकिस्तान की तरफ से चल रही ठंडी हवा के कारण उत्तर भारत के राज्यों में तापमान में गिरावट दर्ज हुई। हरियाणा के हिसार में तापमान 0.6 डिग्री तक रिकॉर्ड किया गया। वहीं, पंजाब के फरीदकोट में भी लगातार दूसरे दिन पारा 0 डिग्री के करीब रिकॉर्ड हुआ। उधर, हिमाचल के 6 जिले शीतलहर की चपेट में हैं। मौसम विभाग ने कहा कि आज कुल्लू और लाहौल-स्पीति की ऊंची चोटियों पर हल्की बर्फबारी हो सकती है। उत्तर भारत में चल रही सर्द हवाओं का असर मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी देखने को मिला। दोनों राज्यों के 9 शहरों में तापमान 4 डिग्री के नीचे बना हुआ है। राजस्थान के सीकर तापमान माइनस 0.4 डिग्री तक पहुंचा। जम्मू-कश्मीर के कई हिस्सों में पारा माइनस से नीचे चल रहा है। कई जगहों पर नदियां और झरने जमने लगे हैं। श्रीनगर में तापमान माइनस 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आंध्र-तमिलनाडु में बारिश का अलर्ट देश के उत्तरी और मध्य भारत के राज्यों में भी ठंडी का असर देखने को मिल रहा है। आंध्र, तमिलनाडु में बुधवार को बारिश का अलर्ट जारी किया गया। नॉर्थ ईस्ट के राज्यों में सर्दी का असर कम है। यहां फिलहाल कोहरा देखने को मिल रहा है। ओडिशा के अलावा तमिलनाडु, पुडुचेरी और आंध्र प्रदेश में बिजली गिरने के साथ बारिश हो सकती है। ईस्ट राजस्थान में घना कोहरा देखने को मिलेगा। शीतलहर चलने का भी अनुमान है।

कई कोचिंग सेंटरों को नोटिस जारी

सरकार ने 19 पर 61 लाख रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने भ्रामक विज्ञापनों के लिए विभिन्न कोचिंग सेंटरों को 45 नोटिस जारी किए हैं और अनुचित व्यापार प्रथाओं में शामिल होने के लिए 19 कोचिंग संस्थानों पर कुल 61 लाख रुपये से ज्यादा का जुर्माना लगाया है. इस बात की जानकारी उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री बीएल वर्मा ने दी. वर्मा ने लोकसभा में सांसद धैर्यशील संभाजीराव माने और सुधीर गुप्ता के सवाल पर दिए एक लिखित जवाब में कहा कि सरकार ने कोचिंग सेक्टर में भ्रामक विज्ञापनों की रोकथाम के लिए दिशानिर्देश भी जारी किए हैं. दिशा-निर्देश सेलेक्शन की संख्या, सक्सेक रेट, रैंकिंग और गारंटीकृत एडमिशन से संबंधित झूठे दावे करने से रोकते हैं. उन्होंने कहा, 13 नवंबर को केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने कोचिंग क्षेत्र में भ्रामक विज्ञापनों की रोकथाम के लिए दिशानिर्देश जारी किए, जिनका उद्देश्य कोचिंग सेंटरों को झूठे या भ्रामक दावे करने से रोकना है. मंत्री ने आगे कहा कि कोचिंग सेंटर्स को सफलता के बाद विज्ञापनों में छात्र के नाम, फोटो या प्रशंसापत्र का इस्तेमाल करने के लिए लिखित सहमति की आवश्यकता होती है. नए नियमों के तहत, कोचिंग सेंटरों को यह बताना होगा कि कोर्स की फीस छात्र द्वारा भुगतान की गई थी या किसी अन्य पक्ष ने उसे स्पॉन्सर किया था.

'वन नेशन-वन इलेक्शन' पर जेपीसी का ऐलान

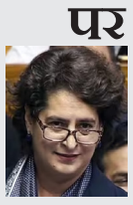

नई दिल्ली। लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के प्रावधान वाले एक देश, एक चुनाव विधेयक पर विचार करने के लिए संसद की जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी (जेपीसी) गठित हो गई है। इस संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) में राज्यसभा से 10 सदस्य और लोकसभा से 21 सदस्य शामिल होंगे। जेपीसी में शामिल सभी सांसदों के नामों का ऐलान हो गया है। इस समिति में प्रियंका गांधी वाड्रा, मनीष तिवारी, धर्मेंद्र यादव, कल्याण बनर्जी, सुप्रिया सुले, श्रीकांत एकनाथ शिंदे, संबित पात्रा, अनिल बलूनी और अनुराग सिंह ठाकुर को जेपीसी के सदस्य के रूप में नामित किया गया। इस तरह देखा जाए तो कांग्रेस की तरफ से प्रियंका गांधी वाड्रा, मनीष तिवारी और सुखदेव भगत सिंह शामिल किए गए हैं। वहीं बीजेपी की तरफ से बांसुरी स्वराज, संबित पात्रा और अनुराग सिंह ठाकुर समेत 10 सांसद भाजपा से हैं। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से कल्याण बनर्जी का नाम है। इस समिति को अब अगले सत्र के आखिरी हफ्ते के पहले दिन तक अपनी रिपोर्ट पेश करनी होगी। राज्यसभा की तरफ से इस जेपीसी के लिए 10 सांसदों के नामों की घोषणा भी जल्द की जाएगी।

यह 1971 में जन्मा बांग्लादेश नहीं, नया पाकिस्तान है

नई दिल्ली। बांग्लादेश के प्रमुख वकील रवींद्र घोष इस समय भारत में हैं। वे पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के कल्याणी स्थित एम्स में इलाज के लिए भारत आए हैं। इस दौरान उन्होंने साफ कहा है कि वे गिरफ्तार हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास का केस लड़ने के लिए वापस अपने देश जाएंगे। उन्होंने बांग्लादेश में सत्ताधारी मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार को जमकर धोया। रवींद्र घोष ने कहा कि वे कायर नहीं हैं और ना ही बांग्लादेश से भागे हैं। रवींद्र घोष ने कहा, मैं कायर नहीं हूं। मैं बांग्लादेश से भागा नहीं हूं। मैं अपने देश लौटूंगा और न्याय व इस्कॉन मठ के भिक्षु चिन्मय कृष्ण दास की रिहाई के लिए लड़ाई जारी रखूंगा। घोष कोलकाता के बैरकपुर स्थित अपने बेटे के घर पर रुके हुए हैं जहां उनसे मिलने वालों का तांता लगा हुआ है। दो दिन पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अर्जुन सिंह ने वकील रवींद्र घोष से मुलाकात की और वहां (बांग्लादेश में) हिंदू अल्पसंख्यकों के अधिकारों के वास्ते खड़े होने के लिए उन्हें सम्मानित किया था।बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता और बांग्लादेश माइनॉरिटी वॉच के अध्यक्ष रवींद्र घोष ने कहा, "मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार दावा करती है कि वे नई सरकार हैं, लेकिन यह 1971 में बना बांग्लादेश नहीं है। यह 8 अगस्त, 2024 को बना एक और बांग्लादेश है। इरादा देश को नष्ट करने का है। वे एक नया बांग्लादेश और एक नया पाकिस्तान बनाने की कोशिश कर रहे हैं।"

कैलाश-मानसरोवर यात्रा फिर से होगी बहाल?

रिश्ते सुधारने के लिए आगे आए भारत-चीन

नई दिल्ली।

सीमा पर विवाद के निपटारे के बाद भारत और चीन अपने रिश्तों में सुधार के लिए लगातार तत्पर दिख रहे हैं। इस दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए दोनों देशों ने बुधवार को कैलाश-मानसरोवर यात्रा को फिर से शुरू करने के लिए ठोस कदम उठाने का फैसला किया। यह यात्रा 2020 से कोविड-19 महामारी और चीन की ओर से अव्यवस्थाओं के कारण निलंबित थी। केंद्र सरकार लगातार चीनी अधिकारियों के साथ इस यात्रा को दोबारा शुरू करने के लिए कूटनीतिक बातचीत कर रही थी। गौरतलब है कि कैलाश-मानसरोवर यात्रा हिंदू, बौद्ध और जैन धर्म के अनुयायियों के लिए अत्यधिक पवित्र मानी जाती है। यह यात्रा तिब्बती पठार से होकर गुजरती है, जिसमें कैलाश पर्वत को भगवान शिव का निवास स्थान माना जाता है। यह पवित्र स्थान तिब्बत के स्वायत्त क्षेत्र चीन में स्थित है। यात्रा के लिए नेपाल के काठमांडू और सिमिकोट, तिब्बत के ल्हासा, और भारत के लिपुलेख पास (उत्तराखंड) और नाथूला पास (सिक्किम) जैसे रास्ते उपलब्ध हैं। वहीं 23वीं भारत-चीन विशेष प्रतिनिधि बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने सीमा विवाद को सुलझाने और सीमा पर शांति बनाए रखने पर सहमति व्यक्त की। यह बैठक पांच साल बाद आयोजित हुई। दोनों पक्षों ने छह बिंदुओं पर सहमति जताई, जिनमें सीमा विवाद का समाधान प्राथमिकता पर था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हालिया कजान बैठक में यह निर्णय लिया गया था कि दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधि जल्द मिलें और सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करें। विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों पक्षों ने सीमा विवाद को व्यापक राजनीतिक दृष्टिकोण से हल करने और द्विपक्षीय रिश्तों को स्थिर और सकारात्मक बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। दोनों प्रतिनिधियों ने 2020 के घटनाक्रम से सीख लेते हुए सीमा पर शांति बनाए रखने और प्रभावी प्रबंधन के उपायों पर चर्चा की।

सकारात्मक और रचनात्मक रही बैठक

❍ डोभाल और वांग यी ने सीमा प्रबंधन के साथ-साथ नाथूला सीमा व्यापार और सीमा पार नदी सहयोग को बढ़ावा देने पर भी सहमति जताई। उन्होंने कैलाश-मानसरोवर यात्रा की बहाली के लिए आवश्यक प्रक्रियाओं को तेज करने का निर्णय लिया। चीनी विदेश मंत्रालय ने बैठक को सकारात्मक और रचनात्मक बताया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने सीमा पर विश्वास निर्माण के उपायों को मजबूत करने और शांति बनाए रखने के लिए नए नियम बनाने पर सहमति व्यक्त की। साथ ही, 2005 में तय राजनीतिक दिशा-निर्देशों के तहत सीमा विवाद को हल करने की प्रतिबद्धता दोहराई।